आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
वर्ष-11 । अंक 104 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण
इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025

केन्द्रीय मंत्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव नीमच में सीआरपीएफ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 2026 तक देश होगा नक्सलवाद से मुक्त : शाह

संवाददाता ● भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा।

संबोधन

इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की प्रभारी मंत्री सुनिर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि 'जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं'।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में ''राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सीआरपीएफ की स्थापना से अब तक फोर्स द्वारा अर्जित उपलब्धियों एवं विभिन्न गतिविधियों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। उल्लेखनीय है कि 86वीं सीआरपीएफ दिवस परेड इस वर्ष 17 अप्रैल को विस्तारित समारोहों के अन्तर्गत आयोजित की गई। सामान्यतः सीआरपीएफ दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने सीआरपीएफ को ध्वज प्रदान किया था। इस वर्ष नीमच में आयोजन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यहीं 27 जुलाई 1939 को ब्रिटिश शासन के दौरान 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' की स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता के बाद, 28 दिसंबर 1949 को सरदार पटेल ने इसे "केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)" नाम दिया। आज सीआरपीएफ देश की आंतरिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है हर चुनौतीपूर्ण मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति में डटे रहकर, "सेवा और निष्ठा" के अपने मूल मंत्र को चरितार्थ कर रहा है।

केन्द्रीय मंत्री शाह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचालक हैं।

स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित की।

राजनाथ सिंह ने डिफेंस कानक्लेव 2025 को किया संबोधित

'बढ़ती रक्षा क्षमताएं संघर्ष भड़काने के लिए नहीं'

एजेंसी ● नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमताएं किसी संघर्ष को भड़काने के लिए नहीं हैं। बल्कि यह देश की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाती हैं। ताकि शांति और समरसता बनी रहे। शांति तभी स्थापित रह सकती है, जब हम बेहद ताकतवर हों।

उन्होंने कहा कि अब विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की दिशा में एयरो इंजन का निर्माण अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। घातक युद्धक विमानों में लगने वाले जेट इंजनों के निर्माण के लिए कावेरी इंजन परियोजना में देरी हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को 'डिफेंस कानक्लेव-2025' को संबोधित करते हुए कहा कि कावेरी इंजन परियोजना के लिए वैश्विक कंपनियों जैसे-साफरान, जीई व रॉल्स रॉयस से इसके घरेलू निर्माण ईकाई के लिए बातचीत चल रही है।

कावेरी परियोजना के जरिये भारत के युद्धक विमानों के लिए स्वदेशी जेट इंजन बनाने की योजना है। लेकिन सरकार अभी तक इसे मूर्तरूप नहीं दे पाई है। उन्होंने भारत की बढ़ती रक्षा क्षमताओं पर कहा कि मिसाइल तकनीक (अग्नि, ब्राह्मोस मिसाइलें), पनडुब्बी (आइएनएस अरिहंत), विमानवाहक युद्धपोत (आइएनएस विक्रांत), ड्रोन, साइबर डिफेंस और हाइपरसोनिक प्रणालियों के क्षेत्र में भारत विकसित देशों से मुकाबला कर रहा है। वह दिन अब दूर नहीं जब भारत नासिर्फ एक विकसित देश के रूप में उभरेगा बल्कि हमारी सैन्य शक्ति भी दुनिया में नंबर एक पर होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार हो जाने वाली है जबकि वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के निर्माण का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा निर्माण क्षमताएं बढ़ाने का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देना है। हमारे रक्षा निर्यात इस साल 30 हजार करोड़ रुपये होने की उम्मीद है जबकि 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात होने का लक्ष्य है।

विदेशी उपकरणों से निर्भरता से परेशानी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि व्यापारिक रोकटोक और टैरिफ-वार के चलते विदेशी उपकरणों के पुर्जों के लिए विदेश पर निर्भरता की परेशानियां सामने ला दी हैं। रसद के लिए नेटवर्क भी मुश्किलें खड़ी करता है खासकर जब ऐन समय पर सैन्य उपकरणों का पहुंचाने का रवैया नई मुसीबतें लाता है। एक अन्य कार्यक्रम में वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि यह प्रक्रिया तभी तक ठीक थी जब वैश्विक माहौल में स्थिरता थी। लेकिन हाल के वर्षों में वैश्विक परिवेश तेजी से बदला है। इधर, राजनाथ सिंह शुक्रवार को महाराष्ट्र छत्रपति संभाजीनगर में राजपूत योद्धा महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं

एजेंसी ● नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जताई, जिसमें उसने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी।

धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर Vs राज्य सरकार के केस में गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया था।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे पास ऐसे

न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'

'लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।' 'जस्टिस वर्मा के घर अधजली नकदी मिलने के मामले में अब तक FIR क्यों नहीं हुई? क्या कुछ लोग कानून से ऊपर हैं। इस केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की इन-हाउस कमेटी बनाई है। इसका कोई संवैधानिक आधार नहीं है। कमेटी सिर्फ सिफारिश दे सकती है, लेकिन कार्रवाई का अधिकार संसद के पास है।' 'अगर ये मामला किसी आम आदमी के घर होता, तो अब तक पुलिस और जांच एजेंसियां सक्रिय हो चुकी होतीं। न्यायपालिका हमेशा सम्मान की प्रतीक रही है, लेकिन इस मामले में देरी से लोग असमंजस में हैं।'

पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने फैसले की सराहना की: पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा था कि अब केन्द्र सरकार जानबूझ कर राज्यों के बिलों पर फैसला लेने में देरी नहीं करवा सकेगी। उन्होंने कहा था कि अटार्नी जनरल ने समय-सीमा निर्धारित करने के निर्णय का विरोध किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के विपरीत रुख को खारिज कर दिया।

बंगाल के 25 हजार शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और SSC को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा।

कौन होगा भाजपा का नया अध्यक्ष?

पीएम मोदी के साथ अमित शाह और राजनाथ सिंह की हुई सीक्रेट मीटिंग

एजेंसी ● नई दिल्ली

भाजपा के अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में उनके निवास पर एक अहम बैठक हुई जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के महासचिव बीएल संतोष शामिल रहे। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया एक हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में विगत बुधवार को कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बंगाल और मध्यप्रदेश के अध्यक्षों के नामों पर विचार किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी फरवरी, 2025 तक ही पूरा हो जाना था, लेकिन हरियाणा समेत कुछ राज्यों में चुनाव के चलते इसमें देरी हो गई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 20 अप्रैल के बाद भाजपा अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया कभी भी शुरू कर दी जाएगी। अगले दो-तीन दिनों में आधा दर्जन प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

2020 से जेपी नड्डा ने संभाल रखा है अध्यक्ष पद

भाजपा अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में हो जाना था लेकिन अप्रैल आधा निकल जाने के बाद भी यह प्रक्रिया अभी भी लंबित है। जनवरी, 2020 से जेपी नड्डा ने अध्यक्ष पद संभाला हुआ है। लेकिन अब उनका स्थान लेने वाले नेता की तलाश जोरशोर से जारी है। भाजपा के संविधान के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल के लिए ही होता है। लेकिन नड्डा को विस्तार मिलता आ रहा था। माना जाता है कि भाजपा को एक युवा पार्टी अध्यक्ष की तलाश है।

पांच याचिकाओं को मुख्य केस मानकर सुनवाई की जाएगी : वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 73 याचिकाएं दाखिल

केंद्र के भरोसा दिलाए जाने के बाद वक्फ संशोधन कानून पर रोक नहीं

एजेंसी ● नई दिल्ली

नये वक्फ संशोधन कानून 2025 पर फिलहाल कोई रोक नहीं है। गुरुवार को केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचित या पंजीकृत वक्फ को गैर अधिसूचित न किये जाने और

सौगात

वक्फ काउंसिल व वक्फ बोर्डों में नियुक्ति न करने का भरोसा दिलाए जाने के बाद कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर अंतरिम रोक नहीं लगाई।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का सात दिनों में जवाब दाखिल करने का वक्त देते हुए मामले को पांच मई को फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया है। ये आदेश प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, संजय कुमार

और केवी विश्वनाथन की पीठ ने वक्फ संशोधन कानून 2025 की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिये।

अंतरिम रोक न लगाने का आग्रह: गुरुवार को केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कानून पर अंतरिम रोक न लगाने का आग्रह करते हुए जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था। लेकिन कोर्ट ने समय देने के लिए केंद्र से भरोसा मांगा था और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए बयान और आश्वासन को आदेश में दर्ज किया।

गैर मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं होगी: कोर्ट ने आदेश में लिखाया कि केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भरोसा दिलाया है कि फिलहाल वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्डों में गैर मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल ने यह भी भरोसा दिलाया कि वक्फ, और वक्फ बाय यूजर (उपयोग के आधार पर वक्फ) अधिसूचना द्वारा घोषित या पंजीकृत वक्फ को गैर अधिसूचित नहीं किया जाएगा उसका चरित्र नहीं बदलेगा।

सिर्फ पांच याचिकाओं पर सुनवाई

मेहता का बयान दर्ज करते हुए कोर्ट ने केंद्र को जवाब के लिए सात दिन का समय दिया और याचिकाकर्ताओं को प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए पांच दिन देते हुए अगली तारीख पांच मई की तय कर दी। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह 110 और 120 याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर सकता सिर्फ पांच याचिकाओं को मुख्य केस मानकर सुनवाई की जाएगी बाकी सभी याचिकाएं या तो अर्जियां मानी जाएंगी या निपटाई समझी जाएं।

कोर्ट के समक्ष जरुरी दस्तावेज

कोर्ट ने सुनवाई में सुविधा के लिए नोडल वकील नियुक्त करने और याचिकाओं व उनके जवाबों का कंपाइलेशन तैयार करने को कहा है। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि कोर्ट अगर विधायी कानून के किसी हिस्से या पूरे हिस्से पर रोक लगाने का विचार कर रहा है तो उससे पहले केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए कम से कम सात दिन का समय दिया जाए। ताकि केंद्र सरकार कोर्ट के समक्ष जरुरी दस्तावेज और सामग्री पेश कर सके।

सॉलिसिटर जनरल ने दी ये दलील

उन्होंने कहा कि ये संसद से पारित एक विधायी कानून है और सिर्फ थोड़ा सा पढ़ कर उस पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। ऐसा कोई भी आदेश देने से पहले कोर्ट को केंद्र सरकार द्वार पेश किये जाने वाले जवाब और दस्तावेजों को देखना चाहिए। वे पूरी जिम्मेदारी से सॉलिसिटर जनरल की हैसियत से कह रहे हैं कि कोर्ट को आदेश पारित करने से पहले कानून का पूरा इतिहास और पृष्ठभूमि देखनी चाहिए। कोर्ट को 1923, 1954, 1995 और 2013 के वक्फ कानून को भी देखना चाहिए।

सूरज बरसा रहा आग सुबह से ही तेज गर्मी...

आज सुबह से ही सूरज तेज गर्मी बरसा रहा है। तपन से बचने के लिए राहगीरों को तरह-तरह के जतन करना पड़ रहे हैं।

गले तीन दिन तक इंदौर समेत मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ेगी

हीटवेव का कहर! 41 पार जाएगा पारा, अगले तीन दिन पड़ेंगे भारी

संवाददाता ● इंदौर

शहर में आज सुबह से ही तेज धूप देखने को मिली है। लगातार दूसरे दिन शहर में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को 39.9 डिग्री दिन का पारा रहा जिसमें -.2 की कमी रही और रात का पारा 25.6 रहा, जिसमें 1.1 डिग्री का उछाल रहा। इससे पहले मंगलवार को इंदौर में दिन का तापमान 1.8 डिग्री बढ़कर 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, रात का तापमान भी 1.1 डिग्री उछलकर 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में यह बढ़ोतरी गर्मी के प्रकोप को दर्शा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

तपन

फिलहाल प्रदेश में मौसम से जुड़े तीन सिस्टम सक्रिय हैं। इनमें दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ लाइन शामिल हैं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो इसका असर मध्यप्रदेश पर दो दिन बाद यानी 18 अप्रैल से दिख सकता है। इससे प्रदेश के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट संभावित है, जिससे कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

प्रदेशभर में तेज गर्मी का असर, लू चलने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी का असर बना रहेगा। खासतौर पर ग्वालियर, चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी लू चल सकती है। बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर संभाग में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की चेतावनी जारी की है। इस अवधि में बारिश की कोई संभावना नहीं है, हालांकि पूर्वी मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में होगा परिवर्तन

इंदौर। मध्यप्रदेश में इन दिनों गर्मी ने अपने तल्ख़ तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सैल्सियस के पार पहुंच चुका है। ऐसे में आम लोगों का गर्मी और धूप से बुरा हाल हो चुका है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली छात्रों को हो रही है। इंदौर में भी तापमान 42 डिग्री सैल्सियस तक पहुंच चुका है जिसकी वजह से छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह के मुताबिक इंदौर में लगातार गर्मी बढ़ रही है, लेकिन फिलहाल लू के हालात नहीं है। ऐसे में अगर एक- दो दिन में तापमान थोड़ा और बढ़ता है तो स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जा सकता है। इसके लिए शिक्षा विभाग और शासन स्तर पर चर्चा की जाएगी। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी की वजह से कई शहरों में स्कूल के समय में परिवर्तन किया जा चुका है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इंदौर में भी जल्द ही स्कूलों के समय में बदलाव हो सकता है।

बजट मिलते ही जारी किया वर्कऑर्डर

मरीमाता चौराहे पर आईडीए जल्द बनाएगा ओवरब्रिज

संवाददाता ● इंदौर

दिन-रात 24 घंटे आबाद रहने वाले मरीमाता चौराहे पर जल्द ही ओवरब्रिज बनाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि इस ओवर ब्रिज के लिए वर्क आर्डर तक जारी किया जा चुका है। पश्चिम क्षेत्र के विशालतम इस चौराहे पर आईडीए ओवर ब्रिज बनाने वाला है। मरीमाता चौराहे पर ट्रैफिक का अत्यधिक लोड होता है साथ ही यहां कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती है।

निमाण

सूत्र बताते हैं कि इस ओवर ब्रिज के लिए बजट स्वीकृत नहीं होने के कारण देरी हो रही है।

जानकारी अनुसार मरीमाता चौराहे पर बनने वाले ओवर ब्रिज के लिए अहमदाबाद की कंपनी को वर्क आर्डर जारी किया है। इस ओवरब्रिज को बनाने के लिए कई महीने से तैयारी की जा रही है। आईडीए अधिकारियों को अब सफलता मिलते ही इसका काम शुरू करने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि पूर्वी क्षेत्र की तुलना में यहां ब्रिज फ्लायओवर कम हैं।लगभग एक दशक साल पहले बाणगंगा रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाया गया। इससे काफी हद तक बाणगंगा से सांवेर रोड पहुंच मार्ग के ट्रैफिक में आंशिक सुधार हुआ है। इस ब्रिज की चौड़ाई अपेक्षाकृत कम है। दोबारा निर्माण को लेकर कई बार प्रयास किए, लेकिन योजना को विराम दे दिया गया। ब्रिज की लंबाई 592 मीटर, लागत 40 करोड़, 30 मीटर लंबा स्पान, 6 लेन होगा। इसके निर्माण की समय-सीमा 20 माह रखी गई है। अगले माह नवरात्रि में ब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। वर्ष 2026 के मई माह में यह ब्रिज वाहन चालकों के लिए खोल दिया जाएगा।

नगरीय प्रशासन मंत्री का क्षेत्र होगा आबाद

जानकारी अनुसार बाणगंगा रेलवे ओवरब्रिज के बाद से पश्चिमी क्षेत्र में कोई फ्लायओवर नहीं बना है, लेकिन आने वाले दो साल के भीतर इस इलाके में नए ब्रिज नजर आने लगेंगे। फूटी कोठी, मरीमाता चौराहे के अलावा बड़ा गणपति चौराहे पर भी ब्रिज बनाने की योजना है। दोनों नए ब्रिज नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की विधानसभा में बनाए जाएंगे। इसके पश्चिम क्षेत्र के वाहन चालकों को बड़ी राहत मिल सकेगी। शहर में दो सालों में सात नए ब्रिजों का एक साथ निर्माण जारी है। ब्रिज के नीचे ट्रैफिक यथावत संचालन के लिए चौराहे के नीचे एक भी स्पान नहीं रखा जाएगा। इससे जिन वाहन चालकों को चौराहे से होकर गंतव्य जाना होगा।

ऑपरेटर कंपनियों को जारी किया नोटिस

मोबाइल कंपनियों की केबल फिर कटेगा निगम

संवाददाता ● इंदौर

स्ट्रीट लाइट और बिजली के खंभों पर बंदी मोबाइल कंपनियों की केबल काटने की नगर निगम एक बार फिर तैयारी में है। बताया जा रहा है कि इसके लिए नगर निगम ने मोबाइल कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि आरएनटी मार्ग, ग्रेटर कैलाश सहित प्रमुख चार सड़कों से मोबाइल कंपनियां स्वयं केवल हटा लें। इनके सुव्यवस्थित नहीं होने से न केवल शहर बदरंग हो रहा है बल्कि परेशानियां भी सामने आ रही है।

जानकारी अनुसार नगर निगम द्वारा शहर भर की बिजली के पोल पर बंधी केबलों को काटने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि बिजली के पोल पर मुख्य रूप से जिओ और एयरटेल मोबाइल कंपनियों की ही केबलें दिखाई दे रही है। पहले केवल कंपनियों के खुले तारों को लेकर तकरीबन 700 डिमांड नगर निगम ने जारी कर दिए, जिसमें यह भी निर्देश दिए थे कि

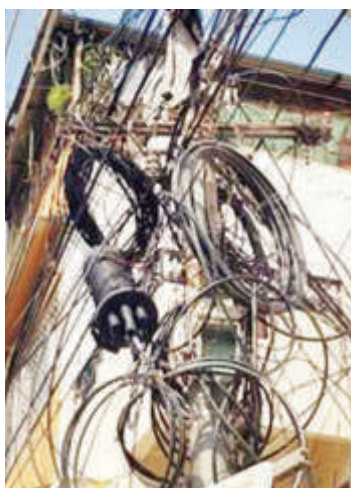

कंपनियां खुद सेल्फ असेसमेंट करें ताकि किसी तरह की परेशानी न हो और उसी अनुसार निगम में राशि जमा होना चाहिए। अधिकारियों के अनुसार हमने पहले ही एयरटेल और जिओ केबल प्रोवाइडर को निर्देश दिए थे कि प्रमुख चार रोड जिसमें एमवाय, ग्रेटर कैलाश रोड, आरएनटी मार्ग आदि सड़क के बिजली पोल पर केबल के खुले तार दिख रहे हैं। इनकी लगातार शिकायतें भी निगम को मिल रही है। सेल्फ असेसमेंट के लिए हमने कंपनियों को पहले ही कहा था और उसके लिए समय-सीमा भी निर्धारित की, लेकिन कंपनियों ने ध्यान नहीं दिया है। अब कंपनियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। निगमायुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत शहर की स्वच्छता को धूमिल करने व कचरा-गंदगी फैलाने वालो के विरूद्ध चालानी कार्रवाई के निर्देश के क्रम में झोन क्रमांक 13 अंतर्गत गोकुल गार्डन पर राशि रूपये 1 लाख का स्पॉट फाइन किया गया।

होटल से खाना लेकर जा रहे युवक पर हमला

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक युवक पर अज्ञात बदमाश ने घूरने की बात को लेकर हमला किया और फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अभिषेक पिता रामबाबू गुप्ता 21 साल निवासी तीन इमली ने पुलिस को बताया कि बीती रात 9:50 बजे वह होटल से खाना लेकर बाइक से घर जा रहा था तभी रौनक ट्रैवल्स के पास खड़े अज्ञात युवक ने बुलाया और कहा कि तू मुझे क्यों घूर रहा है, मैंने घूरने की बात से इनकार किया तो गालियां देने लगा। गाली देने से मना किया तो हमला कर दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक कर आरोपी की तलाश कर रही है। फरियादी पंकज पिता रमेश भूरिया 20 साल निवासी संजय गांधी नगर ने बताया कि वह मोटरसाइकिल से घर जा रहा था तभी मोहित और सुभाष ने रॉक और बेवजह गालियां देने लगे।

प्रीतमलाल दुआ सभागृह का रिनोवेशन करें 30 जून तक : संभागायुक्त सिंह

संवाददाता ● इंदौर

संभागायुक्त दीपक सिंह ने आज प्रीतमलाल दुआ सभागृह में चल रहे विभिन्न प्रकार के रिनोवेशन कार्यों का अवलोकन किया। इस मौके पर उनके साथ आईडीए के अधीक्षण यंत्री अनिल चुघ, कार्यपालन यंत्री राकेश अखंड सहित अन्य अधिकारी साथ थे। संभागायुक्त सिंह ने प्रीतमलाल दुआ सभागृह के मुख्य ऑडिटोरियम सहित पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और हॉल का निरीक्षण किया।

इस मौके पर संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रीतमलाल दुआ सभागृह में फर्श, लाईटिंग, कुर्सियां लगाना, वातानुकूलीन और अन्य निर्माण कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाए। इसके अलावा पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और मुख्य हॉल का रिनोवेशन का कार्य बारिश के पहले ही कर लिया जाये। संभागायुक्त सिंह ने आईडीए के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रिनोवेशन एवं निर्माण कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। कलाकारों एवं आम नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं की विशेष ध्यान रखा जाये। कार्ययोजना बनाकर निश्चित समयावधि में कार्य करें तथा कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो इसकी जानकारी प्रशासन को अवश्य दें। ताकि कार्य की गति समयावधि में पूरा किया जा सकें।

आईडीए के अधिकारियों ने बताया कि सभागृह में रिनोवेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। साथ ही रिनोवेशन के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग भी अधिकारियों द्वारा की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रीतमलाल दुआ सभागृह शहर के मध्य में होने की वजह से यहां अधिकांश सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम लगातार सम्पन्न होते है। यहां पार्किंग की व्यवस्था भी अच्छी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंत्री मंत्री सिलावट पहुंचे ग्रामीणों के बीच

मंत्री सिलावट ने जल संरक्षण के लिए श्रमदान कर ग्रामीणों को भी किया प्रेरित

संवाददाता ● इंदौर

जल संरक्षण और स्वच्छता को समर्पित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जल संसाधन मंत्री और क्षेत्रीय विधायक तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पीर कराडिया और डकाच्या का भ्रमण किया। इस अभियान के तहत डकाच्या स्थित प्राचीन शिव मंदिर बावड़ी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। बावड़ी की साफ-सफाई कर जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मंत्री सिलावट ने बावड़ी के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्य के लिए तीन लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। श्रीराम मंदिर परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम-अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पीर कराडिया के श्रीराम मंदिर परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। मंत्री श्री सिलावट ने स्वयं ग्रामीणों के साथ मिलकर साफ-सफाई कर स्वच्छता का महत्व बताया। ग्रामीणों को साफ-सफाई, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान

सिलावट ने मौके पर उपस्थित शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों का सम्मान भी किया। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सरपंच दीपक पटेल, सुखलाल मांसरे, दिनेश मांगरोला, अर्जुन ठाकुर, नीरज पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

शासकीय कॉलेज सांवेर में 352 लाख रूपये से छह नए रूमों का होगा निर्माण

सांवेर क्षेत्र के शैक्षणिक विकास और विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय विधायक और जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट द्वारा शासकीय महाविद्यालय सांवेर को एक और महत्वपूर्ण सौगात दी गई है। मंत्री सिलावट की पहल पर मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 352 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जिसके अंतर्गत हाल ही में निर्मित महाविद्यालय भवन के ऊपर अतिरिक्त छह कक्षों का निर्माण किया जाएगा। इस स्वीकृति से महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए और अधिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे शिक्षा का स्तर और वातावरण और भी सुदृढ़ होगा। मंत्री तुलसीराम सिलावट का सदैव प्रयास रहा है कि सांवेर क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समस्त आधारभूत सुविधाएं इसी कॉलेज परिसर में उपलब्ध हों। उनके निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि महाविद्यालय ने हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित शैक्षणिक गुणवत्ता नैक मूल्यांकन में 'बी प्लस' ग्रेड प्राप्त कर सांवेर का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय के लिए, बल्कि पूरे सांवेर क्षेत्र एवं जिले के लिए गौरव का विषय है। कॉलेज प्रशासन, प्राचार्य डॉ. बी.एस. मक्कड़, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष आशीष जैन सहित अन्य ने मंत्री सिलावट का आभार माना। प्राचार्य डॉ. मक्कड़ ने कहा कि इस स्वीकृति से कॉलेज के विकास कार्यों को और गति मिलेगी। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतरीन सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार,18 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

अग्रवाल महासभा सेवा समर्पण अलंकरण : अ.भा. कार्यक्रम में संत उत्तम स्वामी ने 21 बच्चों को भेंट की साइकिलें

पीड़ित की सेवा कर्म तीर्थ यात्रा से कम पुण्य वाला नहीं

संवाददाता ● इंदौर

दीन-दुखी, शोषित और पीड़ित मानवता की सहायता के लिए किया गया कर्म किसी तीर्थ यात्रा अथवा संत सेवा की तरह पुण्य देने वाला होता है। समाज में सभी तरह के लोग होते हैं, लेकिन प्रतिष्ठा और चर्चा उन्हीं की होती है, जो अपने पास मौजूद संपत्ति का एक हिस्सा परोपकार और परमार्थ के सेवा प्रकल्पों में निवेश करते हैं। हम स्वयं के हित के साथ दूसरों के बारे में भी चिंतन करें और जहां तक संभव हो, जरूरतमंदों को खुशियां बांटने का प्रयास करें तथा प्रतिदिन अपने सामर्थ्य के अनुसार एक मुट्ठी अनाज या एक रुपया भी दान करें तो कहीं और नहीं तो हमारे घर में तो राम राज्य की स्थापना हो ही जाएगी।

प्रवचन

प्रख्यात संत और महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी महाराज ने गुरूवार सुबह आनंद नगर में अ.भा. अग्रवाल महासभा के तत्वावधान में आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में जरूरतमंद 21 बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए साइकलें भेंट करने और समाजसेवा के क्षेत्र में यशस्वी योगदान देने वाले 16 समाजबंधुओं को सेवा समर्पण अलंकरण प्रदान करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। अ.भा. अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की अध्यक्षता और राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में अनेक संत-विद्वान भी विशेष रूप से उपस्थित थे। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात अतिथियों का स्वागत अ.भा. अग्रवाल महासभा के मालवा प्रांत के अध्यक्ष अशोक गोयल, राष्ट्रीय महासचिव हरि अग्रवाल, संस्था समर्पण के संयोजक मनोज वर्मा, पत्रकार महेन्द्रसिंह सोनगरा, दिनेश जिंदल, संजय गुप्ता, सुरेश रामपीपल्या, मुकेश ब्रजवासी, सुधीर अग्रवाल, वरुण सिंघानया आदि ने किया। पीयूष पारे ने अपने मनोहारी भजनों की प्रस्तुतियां दी। संचालन किया दिव्या विजयवर्गीय ने। प्रारंभ में कार्यक्रम के सूत्रधार अशोक गोयल ने समाजसेवा के क्षेत्र में उनके द्वारा अर्जित उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए घोषणा की कि वे शहर के किसी भी जरूरतमंद बालक को शिक्षा के लिए साइकिल एवं अन्य मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। मंत्री सिलावट ने भी गोयल के सेवा कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की। शहर की दिव्यांग खेल प्रतिभा पूजा गर्ग का सम्मान कर उन्हें ओलंपिक खेलों में जाने के लिए गोयल ने 11 हजार रुपए की सहायता राशि भी भेंट की।

इन्हें दिया अलंकरण

सेवा के क्षेत्र में विभिन्न आयाम स्थापित करने वालों में अग्रवाल कन्या विद्यालय छावनी की पूर्व प्राचार्य एवं शिक्षाविद श्रीमती कृष्णकांता अग्रवाल, चित्तौड़ा वैश्य महाजन समाज के चंद्रप्रकाश गुप्ता को वैश्य एकता की दिशा में सार्थक प्रयास करने, समाज की 2500 महिलाओं को प्रतिमाह निःशुल्क राशन उपलब्ध कराने वाले सत्यनारायण गोयल, महिला एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने में सहयोगी श्रीमती मालासिंह ठाकुर, शिशु रोग के क्षेत्र में निःशुल्क उपचार करने वाले डॉ. राजेन्द्र अग्रवाल, अ.भा. मेनारिया ब्राह्मण समाज के जसराज मेहता, गत 21 वर्षों से समाज के छात्र-छात्राओं को शिक्षा, रोजगार के साथ ही विधवा विवाह के क्षेत्र में सहयोग देने वाले हुकमचंद अग्रवाल, जरुरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने वाले अभिभाषक एवं हाईकोर्ट बार एसो. के सचिव लोकेश मेहता, उद्योगपति एवं समाजसेवी सचिन बंसल, सुनील अग्रवाल, धीरज गर्ग, संस्था सेवा सुरभि के माध्यम से हर वर्ष झंडा ऊंचा रहे हमारा अभियान के सूत्रधार ओमप्रकाश नरेड़ा, समाजसेवी पुरुषोत्तम सैनी तथा लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने में सहायक समाजसेवी जयदीप जोशी, सुल्तान-ए-एकता समिति के करीम खान एवं फिरोज खान को करतल ध्वनि से प.पू. उत्तम स्वामी एवं मंत्री सिलावट ने शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया, वहीं दिव्यांग एवं स्कूल जाने वाले 21 बालक-बालिकाओं को साइकिल भी भेंट की।

नवलखा अग्रवाल संगठन द्वारा आनंद नगर में चल रहे रामकथा महोत्सव में बोले उत्तम स्वामी

वनवासियों को गले लगाने का संदेश ही राम राज्य की बुनियाद

संवाददाता ● इंदौर

राम कथा रूपी नौका में बैठने वाला संसार रूपी भवसागर को आनंद के साथ पार कर लेता है। जिस किसी ने श्रद्धा, विश्वास और प्रेम के साथ राम कथा का श्रवण किया, उसकी जीवन यात्रा हर दृष्टि से सार्थक और सफल रही है। भगवान का अवतरण दुष्टों और असुरों के नाश के लिए ही होता है। भगवान ने वनवास काल में जंगल के आदिवासियों और जीवों का सहयोग लेकर बड़े-बड़े असुरों का उद्धार किया। राम राज्य की स्थापना की नींव वनवास में ही रखी गई। वनवासियों को गले लगाने का संदेश ही सही मायने में राम राज्य की बुनियाद है।

कथा

ये प्रेरक विचार हैं प्रख्यात मानस मनीषी महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी महाराज के, जो उन्होंने गुरुवार को अग्रवाल संगठन नवलखा की मेजबानी में आनंद नगर खेल परिसर मैदान पर चल रहे रामकथा महोत्सव के दौरान सीता स्वयंवर और उसके पूर्व वनवास गमन प्रसंगों के दौरान व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व पत्रकार राजेश चेलावत, समाजसेवी गणेश गोयल, अरविंद बागड़ी, संजय बांकड़ा, के.के. गोयल, शिव जिंदल, संजय मंगल, धनंजय शाह, विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री जितेन्द्र परमार, राहुल गोयल, कमलेश खंडेलवाल, रितेश बारदान, सुरेश रामपीपल्या, राजीव बांकड़ा, अमन सिंघल, मुकेश अग्रवाल, सुनील बड़गोंदा, बालमुकुंद अग्रवाल, मनोज योगी, अरुण बागड़ी, आशीष अग्रवाल आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। आज कथा पांडाल की सभी व्यवस्थाएं मातृशक्ति के हाथों में रही और अगवानी, मंच एवं आरती से लेकर प्रसाद वितरण तक की व्यवस्थाएं मनीषा बंसल, पूजा गोयल, श्रद्धा अग्रवाल, ऋतु अग्रवाल शिवमोती, सुरभि गर्ग, रुचि अग्रवाल, सीमा बंसल, शीतल सिंघल, इंदिरा बद्रुका एवं पूजा बंसल शुभसिटी, संगीता बागड़ी ने संभाली। यजमान समूह के दुर्गेश गर्ग, रामप्रकाश गुप्ता, प्रमुख संयोजक संदीप गोयल आटो, पार्षद मृदुल अग्रवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता प्रतिदिन सेवाएं दे रहें हैं। कथा का यह प्रवाह 21 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक चलेगा।

महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी ने कहा कि दुख में सुख का अहसास कराती है राम कथा। हमारे हृदय में बैठे परमात्मा रूपी अरुण ज्योति को जागृत बनाती है राम कथा। हृदय जब पवित्र हो जाता है, तब इस ज्योति का प्राकट्य स्वतः हो जाता है। हमारे चित्त की वृत्तियों को हम जिस दिन राम कथा से जोड़ देंगे, उस दिन हमारे मन में भी राम राज्य स्थापित हो जाएगा। हरिद्वार में बहने वाली गंगा की तरह राम कथा रूपी गंगा भी तन-मन को पवित्र बनाती है। करोड़ों पाप का बोझ लादे हुए व्यक्ति को भी राम कथा अपनी मंजिल तक पहुंचाती है। धार्मिक कार्यों में बाधक बनने वाला व्यक्ति महापापी कहलाता है। संसार का आनंद क्षणिक होता है, लेकिन अध्यात्म और परमात्मा से जुड़ा आनंद कभी नष्ट नहीं होता। भगवान का अवतार दुष्टों, राक्षसी प्रवृत्तियों और असुरों के नाश के लिए ही होता है। उनका नाश भी उनके कल्याण का कारण बन जाता है, यही दैवीय शक्ति है। भगवान ने वनवासकाल में आदिमानवों और जीवों को साथ लेकर उस समय के राक्षसी प्रवृत्तियों का मुकाबला किया। वनवासियों को गले लगाने का संदेश ही सही मायने में राम राज्य की बुनियाद है।

पूर्व छात्रों ने कलाकृतियां बनाकर दी श्रद्धांजलि

फाइन आर्ट कॉलेज के अवशेष बने कैनवास

संवाददाता ● इंदौर

कलाकार भावनात्मक भी होते है और रचनात्मक भी। बुधवार को दोनों ही बातें उनके काम में नजर आई। चिलचिलाती धूप में वे कलाकृतियां उकेर रहे थे, लेकिन सामने न तो कैनवास था और न ही कोई कलात्मक दीवार। जिस पर उनकी ब्रश रंग भर रहे थे, वे उनके कॉलेज भवन के टूटे के पत्थर, ईंटें थी, जो जमीन पर बिखरी पड़ी है। उन पर रंगों से कलाकार अपनी भावनाएं अभिव्यक्त करते रहे।

शहर के ख्यात शासकीय ललित कला संस्थान से एमएफ हुसैन, एनएस बेंद्रे, डीजे जोशी, श्रेणिक जैन जैसे ख्यात चित्रकार निकले है। अब वहां नगर निगम कला संकुल बना रहा है। पुराने कॉलेज का भवन अब कॉलेज के पूर्व छात्रों के लिए सिर्फ यादें बनकर रह गया। पुराना भवन टूट चुका है और उसके मलबा वहीं पड़ा है।

कॉलेज को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। अब सिर्फ आर्ट गैलरी बची है, लेकिन कॉलेज के पुराने भवन से छात्रों का भावनात्मक लगाव रहा है। इस कारण उन्हें कॉलेज बिल्डिंग टूटने का दुख भी है। बस इसी वजह से कॉलेज के पूर्व छात्रों ने अपने कॉलेज भवन को श्रद्धाजंलि देने के लिए उसके मलबे पर कलाकृतियां बनाने का फैसला लिया। 19 अप्रैल तक कलाकार मलबे पर कलाकृतियां बनाएंगे। इस अनूठे आयोजन में 100 से ज्यादा कलाकार एकत्र होंगे।

इस कॉलेज के संस्थापक डीडी देवलालीकर रहे है। कॉलेज का नामकरण भी उन्हें के नाम से है। कॉलेज की स्थापना 1927 में होलकर शासनकाल में हुई थी। 18 अप्रैल को उनका जन्मदिन है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर कॉलेज के पूर्व छात्र परिसर में एकत्र हुए थे। तीन साल बाद कॉलेज के 100 साल पुरे हो जाएंगे। पूर्व छात्रों का कहना है कि कम से कम तीन सालों में नई बिल्डिंग कॉलेज के लिए उसी स्थान पर नगर निगम बनाकर दे, तो हम परिसर में बड़ा समारोह आयोजित कर सके।

पहली बैच में पढ़े थे हुसैन, बेंद्रे, जोशी

इस कॉलेज की पहली बैच में एमएफ हुसैन, रामकृष्ण खोत, नारायण श्रीधर बेंद्रे जैसे छात्र थे। जिन्होंने विश्व में अपना नाम कमाया। इस संस्थान की ख्याती देशभर में थी। बाद में अन्य कई छात्र इस कॉलेज से निकले और देशभर में उनके कामों की पहचान है। हुसैन जब भी इंदौर आया करते थे तो वे अपने कॉलेज को देखने भी जाते थे।

जानकी नगर राम मंदिर पर निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन

संवाददाता ● इंदौर

जानकी नगर राम मंदिर पर नव निर्मित कैलाश प्रार्थना भवन में मातुश्री लीलादेवी अग्रवाल की स्मृति में निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर आयोजन डॉ. मयंक गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ अ.भा. अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं समाजवादी विचारक रामबाबू अग्रवाल नेताजी तथा कैलाश अग्रवाल दूधिया के आतिथ्य में हुआ।

इस अवसर पर पहले दिन उपस्थित मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कर हड्डी से जुड़े रोगों के बारे में परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में जानकी नगर रहवासी संघ के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, अ.भा. अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय महासचिव हरि अग्रवाल, समाजसेवी प्रहलाद दादा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में रहवासीबंधु उपस्थित थे। संचालन महेश अग्रवाल एवं राजेश अग्रवाल ने किया। शिविर 22 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 4 से सायं 7 बजे तक निशुल्क खुला रहेगा।

उदयपुर के भूपाल नोबल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में शहर के मुद्रा संग्राहक गिरीश शर्मा का आग्रह

मुद्रा जगत में चल रही अनुचित व लालची प्रवृत्तियों को नहीं रोका तो मुद्रा संरक्षण का पवित्र क्षेत्र लांछित हो जाएगा

संवाददाता ● इंदौर

उदयपुर के भूपाल नोबल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कांफ्रेंस में शहर के मुद्रा संग्राहक एवं राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक गिरीश शर्मा 'आदित्य' ने मुद्रा जगत में चल रही अनुचित और लालची प्रवृत्तियों तथा नकली सिक्कों की भरमार पर चिंता व्यक्त करते हुए कांफ्रेंस में मौजूद देश के जाने-माने मुद्रा शास्त्रियों एवं स्कालर्स से पुरजोर शब्दों में आग्रह किया कि यदि शासन और विद्वानों ने इन पर अंकुश नहीं लगाया तो हमारी संस्कृति और मुद्रा संरक्षण का पवित्र क्षेत्र लांछित हो जाएगा। उन्होने अपने विराट मुद्रा संग्रह को संग्रहालय के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित करने का संकल्प भी दोहराया।

कांफ्रेंस

उदयपुर के भूपाल नोबल वि.वि. के सभागृह में गत 15 अप्रैल से चल रही कांफ्रेंस में ' भारतीय मुद्रा एवं मुद्रांकों का वैश्विक परिदृश्य ' विषय पर आदित्य ने जब अपने ओजस्वी उदबोदन में मुद्रा संग्राहकों के बीच चल रही इन प्रवृत्तियों का उल्लेख किया तो पहले तो सभागृह में सन्नाटा छा गया और बाद में कुछ ही पलों में समूचा सभागृह कतरल ध्वनि से गूंज उठा। प्रारंभ में उदयपुर वि.वि. की इतिहास विभाग की प्रमुख और कांफ्रेंस की संयोजक डॉ. पंकज आमेटा ने आदित्य एवं कांफ्रेंस में आए अन्य वक्ताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर नेशनल म्यूजियम नई दिल्ली के महानिदेश बी.आर. मणि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इंदौर के वरिष्ठ मुद्रा संग्राहक डॉ. शशिकांत भट्ट भी कांफ्रेंस में प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुए। आदित्य ने कांफ्रेंस में प्राचीन मुद्राओं पर पर्यावरण संबंधी चिन्हों और संदेशों पर चित्रमय प्रस्तुति भी प्रदान की, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।

अपने संबोधन में आदित्य ने कहा कि इन दिनों आम लोगों को भ्रामक प्रचार के जरिए कई तरह के प्रलोभन देकर सोशल मीडिया के माध्यम से गुमराह किया जा रहा है कि इतने साल पुराना नोट या करेंसी लेकर आएं तो इतने लाख रुपए मिलेंगे। इसी तरह प्राचीन सिक्कों और बादशाहों के समय की मुद्राओं को लेकर भी इस तरह का मिथ्या प्रचार किया जा रहा है। ऐसे अनेक हथकंडे अपनाने वाले लोग मुद्रा संग्रह के पवित्र क्षेत्र को लांछित कर रहे हैं। मुद्राओं के माध्यम से हम अपनी नई पौध को अपनी पौराणिक एवं तथ्यात्मक जानकारी देने में जुटे हैं, लेकिन पेशेवर लोग इस क्षेत्र को बदनाम कर रहे हैं।

क्या उत्तर-दक्षिण के बीच भेद बढ़ रहा है?

सरकार संसदीय सीटों का परिसीमन करने जा रही है। ऐसा अगले कुछ सालों में नई जनगणना के बाद किया जा सकता है। दक्षिणी राज्यों का तर्क है कि इससे राजनीतिक शक्ति का संतुलन अनुचित रूप से उत्तरी राज्यों की ओर चला जाएगा। लोकसभा में सीटें आम तौर पर जनसंख्या के हिसाब से बांटी जाती हैं। ऐसे में ज्यादा लोगों का मतलब होता है ज्यादा सीटें। चूंकि लोकसभा में ज्यादा सीटें जीतने वाला ही सरकार बनाता है, इसलिए ज्यादा जनसंख्या का मतलब बड़ा फायदा होता है। लेकिन बेलगाम जनसंख्या वृद्धि की कीमत समृद्धि और सामाजिक प्रगति को चुकानी पड़ सकती है। इसलिए 1976 में भारत ने परिसीमन को रोक दिया, जिससे राज्यों को यह दिलासा मिला कि वे राजनीतिक असर की चिंता किए बिना जनसंख्या वृद्धि को धीमा करने की कोशिश कर सकते हैं। यह रोक शुरू में 2001 तक के लिए तय की गई थी, लेकिन संवैधानिक संशोधन के जरिए इसे बढ़ा दिया गया।

इसका मतलब है कि आज की सीमाएं 1971 की जनगणना पर आधारित हैं। इस रोक के बाद से भारत के दक्षिणी राज्य प्रजनन दर काफी नीचे ला चुके हैं। साथ ही, उन्होंने साक्षरता दर, स्वास्थ्य सेवा, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर और लैंगिक समानता सहित कई मानव-विकास संकेतकों पर काफी प्रगति की है। उत्तर भारत ने इन श्रेणियों में तो खराब प्रदर्शन किया ही है, जातिगत भेदभाव, बेरोजगारी और आर्थिक विकास के मामले में भी स्थिति खराब है। लेकिन यहां आबादी लगातार बढ़ रही है। परिसीमन पर रोक की हमेशा एक समयसीमा रही है। अब सत्तारूढ़ भाजपा ने संकेत दिया है कि रोक को फिर से बढ़ाने के बजाय वह जनगणना कराने का इरादा रखती है और उसी के अनुसार भारत के चुनावी मानचित्र को फिर से तैयार करना है। यह जनगणना 2021 में होनी थी और उसे बार-बार स्थगित किया जाता रहा। भाजपा का कहना है कि यह निष्पक्षता का मामला है।

जातिगत भेदभाव, बेरोजगारी और आर्थिक विकास के मामले में भी स्थिति खराब है। लेकिन यहां आबादी लगातार बढ़ रही है। परिसीमन पर रोक की हमेशा एक समयसीमा रही है। अब सत्तारूढ़ भाजपा ने संकेत दिया है कि रोक को फिर से बढ़ाने के बजाय वह जनगणना कराने का इरादा रखती है और उसी के अनुसार भारत के चुनावी मानचित्र को फिर से तैयार करना है। यह जनगणना 2021 में होनी थी और उसे बार-बार स्थगित किया जाता रहा। भाजपा का कहना है कि यह निष्पक्षता का मामला है।

एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य के सुस्थापित सिद्धांत का मतलब है कि संसद का हर सदस्य लगभग समान संख्या में लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। उसका तर्क है कि यह अलोकतांत्रिक है कि एक सांसद केवल 18 लाख केरलवासियों का प्रतिनिधित्व करे, जबकि दूसरा उत्तर प्रदेश के 27 लाख मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करे। दक्षिणी राज्यों के नेताओं का कहना है कि प्रतिनिधित्व को सिर्फ जनसंख्या के आधार पर तय करने से उत्तरी राज्यों को ज्यादा आबादी होने का फायदा मिलता है, जबकि दक्षिणी राज्यों को उनकी जनसंख्या स्थिर करने और मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिए सजा मिलती है। यही वजह है कि केंद्रीय कर राजस्व में दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी में पहले से ही गिरावट दिख रही है।

अगर समाज एक जैसा हो तो उसमें जनप्रतिनिधित्व निर्धारित करने के लिए जनसंख्या एक फैक्टर हो सकती है, लेकिन बहुत विविधता वाले समाज के लिए यह नाकाफी है। उदाहरण के लिए, इसी वजह से अमेरिका जनसंख्या की परवाह किए बिना प्रत्येक राज्य को दो सीनेट सीटें आवंटित करता है। वहीं ईयू छोटे देशों को यूरोपीय संसद में उनकी जनसंख्या हिस्सेदारी की तुलना में ज्यादा सीटें देता है। भारत में भी, गोवा, पूर्वोत्तर के राज्य और अंदमान, दीव, लक्षद्वीप में प्रति व्यक्ति सांसदों की संख्या बड़े राज्यों की तुलना में ज्यादा है। भारत में भाषाओं, धर्मों, जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और विकास के स्तरों में बहुत ज्यादा विविधता है। इसके अलावा भारत की ह्यअर्ध-संघीयह्न प्रणाली के तहत राज्य भी एक तय मात्रा में शक्ति रखते हैं। इसलिए जहां समान प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है, वहीं राज्य की स्वायत्तता और सांस्कृतिक विविधता का भी सम्मान किया जाना चाहिए। इसका मतलब यह सुनिश्चित करना है कि एक समूह (उत्तर के हिंदी-भाषी) दूसरों की जरूरतों, प्राथमिकताओं, अनुभवों और आकांक्षाओं की परवाह किए बिना निर्णय लेने की प्रक्रिया पर हावी न हो सके। गृह मंत्री अमित शाह ने दक्षिण भारतीयों को भरोसा दिलाया है कि नए परिसीमन में उनकी एक भी सीट कम नहीं होगी।

संत वचन

इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा। फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

स्वार्थ और मुनाफे की लालसा भी विनाश की ओर ले जाती है

एडिट.नोट

दुनिया कठिन समय से गुजर रही है। इतिहास में शायद ही कभी हमने एक साथ इतनी बुरी खबरें आते देखी हों। यूक्रेन और मध्य-पूर्व में चल रहे युद्धों के कारण निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति बाधित हो रही है। हम दुनियाभर में लोकतंत्र का क्षरण देख रहे हैं। ऐसे नेताओं का उदय हो रहा है जिन्हें केवल अपनी सत्ता की परवाह है, आम इंसानों के लिए उनके मन में कोई सहानुभूति या चिंता नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी को कुचला जा रहा है। कई देशों में आम नागरिकों के विरोध-प्रदर्शनों को बेरहमी से दबाया जा रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि यह सब डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव और एआई की तरक्की से हो रहा है। कुछ का कहना है सोशल मीडिया और फेक न्यूज इसकी जड़ में है। कुछ कहते हैं कि इस स्थिति की शुरूआत महामारी से हुई थी।

हम अलग-अलग देशों को दोष देते हैं, दूसरों पर उंगली उठाते हैं, और नेताओं और बड़े कॉरपोरेट प्रमुखों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। इस सब में कुछ सच्चाई हो सकती है, लेकिन यहां मैं हमारी अपनी जिम्मेदारी की बात करना चाहता हूं। मुख्यधारा का अर्थशास्त्र- जिसकी शुरूआत 1776 में प्रकाशित एडम स्मिथ की प्रसिद्ध किताब से मानी जाती है- यह दिखाता है कि आर्थिक विकास और तरक्की इसलिए होती है क्योंकि लोग मुनाफा बढ़ाने और अपनी आय को अधिक से अधिक करने की कोशिश करते हैं। अर्थशास्त्री इसे यूटिलिटी मैक्सिमाइजेशन कहते हैं। यही सोच मेहनत, उद्यम व इनोवेशन के लिए प्रेरित करती है। जिस बात का शायद ही कभी जिक्र होता है, लेकिन जो उतनी ही सच है, वो यह है कि किसी अर्थव्यवस्था के लंबे समय तक स्थिर रूप से विकसित होने के लिए सिर्फ मुनाफे की चाह काफी नहीं होती- हमें नैतिकता और भरोसे, ईमानदारी जैसे बुनियादी मूल्यों की भी जरूरत होती है। केनेथ ऐरो- जो दुनिया के सबसे महान अर्थशास्त्रियों में गिने जाते हैं- ने एक गणितीय मॉडल बनाया था, जिसमें उन्होंने एडम स्मिथ के इस विचार को औपचारिक रूप दिया था।

उन्होंने समझाया था कि किस तरह मुक्त बाजार और व्यक्तिगत उद्यम से समाज का भला हो सकता है। लेकिन 1978 में लिखे एक निबंध में ऐरो ने यह चेतावनी भी दी थी कि अगर स्वार्थ व मुनाफे की लालसा को बुनियादी मूल्यों से अलग कर दिया जाए, तो वह प्रणाली आर्थिक विनाश की ओर ले जाएगी। आज के इस कठिन समय में हमारे लिए यह याद रखना और ईमानदारी, विनम्रता और करुणा जैसे बुनियादी मानवीय मूल्यों को संजोना बेहद जरूरी है। साथ ही, करुणा का मतलब सिर्फ अपनी जाति, धर्म, नस्ल या देश के लोगों के लिए करुणा नहीं होना चाहिए। दुनिया में कहीं भी अगर कोई इंसान दु:ख में है, तो वह पूरे मानव समाज के लिए एक त्रासदी है। यह जानना दिलचस्प है कि देश की स्थापना के समय भारत इन मूल्यों को अपनाने में दुनिया में अग्रणी था। आजादी के समय ये सिद्धांत भारत की बुनियाद का हिस्सा थे। हम इसे रबींद्रनाथ ठाकुर की कविता में देखते हैं। हम इसे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के भाषणों में देखते हैं। भारत ने वैश्विक एकता के इस संदेश को फैलाने और संकीर्ण, पक्षपातपूर्ण राजनीति को नकारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में आयोजित सम्मेलन- जिसमें नेहरू और इंडोनेशिया के प्रधानमंत्री सुकर्णो ने नेतृत्व किया और कई अन्य नवस्वतंत्र देशों के नेता शामिल हुए- इन नैतिक मूल्यों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। दु:ख की बात है कि आज भारत में समूहों के प्रति घृणा बढ़ रही है, जबकि हमने कभी सार्वभौमिकता का संदेश फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

डॉ. अनिल जोशी - लेखक

एनर्जी को दूसरे स्त्रोतों से पाने की हमारी कोशिशें बढ़ रही हैं

2009 से हम पृथ्वी-दिवस मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष यह 22 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिवस को मनाने के पीछे यूएन का उद्देश्य यही था कि हर वर्ष हम पृथ्वी के प्रति अपने दायित्वों को समझें और किसी एक खास थीम पर चर्चा करें। 2025 की थीम ₹अवर प्लैनेट, अवर पॉवर' है। इसका अर्थ है कि ऊर्जा के संसाधनों पर हमारी बढ़ती निर्भरता का सीधा असर पर्यावरण और प्रकृति पर पड़ रहा है। इसलिए हमें वैकल्पिक ऊर्जा के स्त्रोतों के बारे में सोचना होगा। यूएन दुनिया में इस विचार को बढ़ाना चाहता है। यह सर्वविदित है कि आज भी दुनिया की ऊर्जा की सबसे बड़ी निर्भरता कोयले पर है। ऐसा कोई देश नहीं है, जहां इसकी खपत कम हो रही हो। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बैठकों में यह अक्सर चर्चा का विषय बनता है, क्योंकि कोयले के उपयोग से वायुमंडल में कार्बन का स्तर बढ़ रहा है। ऐसी बैठकों में यह गंभीर मुद्दा रहता है कि हमें अन्य स्त्रोतों जैसे पवन, जल, सौर और नाभिकीय ऊर्जा पर अपनी निर्भरता बढ़ानी चाहिए। इससे कोयले पर निर्भरता कम कर सकते हैं।

प्राकृतिक गैस भी बड़े विकल्प के रूप में उभर रही है। आज इसका तीन प्रमुख क्षेत्रों में उपयोग हो रहा है- केमिकल फर्टिलाइजर, रसोई गैस और सीएनजी। अनुमान है 2030 तक इस पर निर्भरता 60% तक बढ़ जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले कारकों से कुछ हद तक मुक्त हो पाएंगे। भारत में आज बिजली की कुल खपत लगभग 201.445 गीगावॉट है, जिसमें से लगभग 46% खपत वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों से हो रही है। हम दुनिया में वैकल्पिक ऊर्जा के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादक और उपभोक्ता हैं। पहले दुनिया में हमारा स्थान 5वां था। आने वाले समय में यह उम्मीद है कि रिन्यूएबल एनर्जी पर हमारी निर्भरता हर वर्ष लगभग 5% की दर से बढ़ेगी और ऐसा ही बायो एनर्जी के क्षेत्र में होगा। उसमें हमारी निर्भरता 6.5% तक बढ़ सकती है।

भारत ने सौर ऊर्जा पर विशेष बल दिया है। राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने सौर ऊर्जा में बेहतर प्रदर्शन किया है और इससे ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद हुई है। वर्तमान में भारत की न्यूक्लियर पॉवर क्षमता 8.818 गीगावॉट है, हाइड्रो में 46.9, विंड में 48.5 और सोलर में 102.57 गीगावॉट है। इन वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की भागीदारी के चलते हम कोयले पर अपनी निर्भरता घटा रहे हैं। पर यह पर्याप्त नहीं है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हमने हर ऊर्जा स्त्रोत में अपनी खपत बढ़ाई है। कोयले की खपत 824 ट्रिलियन टन से बढ़कर 948 ट्रिलियन टन हो गई है। गैस की खपत 43 से 52, हाइड्रो की 123 से 162, न्यूक्लियर की 35 से 45 और सोलर की 37 से 60 तक बढ़ी है। आज भी 60% ऊर्जा कोयले पर आधारित है और अनुमान है कि यह 72% तक पहुंच सकती है। भारत आज 5000 ट्रिलियन किलोवॉट एनर्जी सौर स्त्रोत से हर साल उत्पन्न कर सकता है, लेकिन इसका पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। फिर भी भारत दुनिया में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है। एआईए की 2017 की रिपोर्ट के अनुसार भारत को घरेलू उपभोक्ताओं के स्तर पर अधिक प्रयास करने होंगे। सरकार ने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं और सब्सिडी की शुरूआत की है। सोलर और विंड एनर्जी के प्रयासों के अलावा 2047 तक 9% ऊर्जा एटॉमिक पावर से प्राप्त करने का लक्ष्य है और 2030 तक 5,00,000 मेगावॉट ऊर्जा वैकल्पिक स्त्रोतों से प्राप्त करने की योजना है।

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के अनुसार भारत ने अब तक 167.107 गीगावॉट ऊर्जा वैकल्पिक स्त्रोतों से प्राप्त की है। इसमें 102 गीगावॉट सोलर, 46 हाइड्रो, 48 विंड, 16.73 बायोपावर और 4.94 स्मॉल वॉटर सिस्टम से तथा 6.78 एटॉमिक एनर्जी से प्राप्त की गई है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को लेकर गंभीर है और उसके लक्ष्य स्पष्ट हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि ऊर्जा दोनों तरह के संकट उत्पन्न करती है- अगर न हो तो संकट है और अधिक हो तो पर्यावरण के लिए खतरा है। लेकिन यदि हम वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों पर कार्य करते रहें, तो बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

बिजनेस

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पेश किया हेक्टर मिडनाइट कार्निवल, ग्राहकों को मिलेगा लंदन जाने का मौका

गुरुग्राम। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एमजी हेक्टर को खरीदने के अनुभव को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए एक रोमांचक अभियान 'मिडनाइट कार्निवल' शुरू किया है। सीमित समय के लिए शुरू किए गए इस खास अभियान में ग्राहकों को प्रत्येक वीकेंड आधी रात तक खुले रहने वाले शोरूम में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस ऑफर अवधि में, 20 भाग्यशाली एमजी हेक्टर खरीदारों को लंदन* की ड्रीम ट्रिप जीतने का मौका मिलेगा। इसी के साथ ही ग्राहक इस ऑफर के तहत 4 लाख रुपये तक के खास फायदे भी पा सकते हैं।

ऑफर प्रोग्राम के दौरान, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया कार खरीदने के अनुभव को और भी बेहतर बनाने लिए कई तरह के वैल्यू-ड्रिवन ऑफर भी पेश कर रही है। नई हेक्टर के खरीदार इस ऑफर के तहत स्टैंडर्ड 3 साल की वारंटी के साथ ही 2 साल /1 लाख किमी की एक्सटेंडेड वारंटी का लाभ उठा

सकते हैं। इसी के साथ ही 2 अतिरिक्त साल के लिए रोडसाइड असिस्टेंस भी पा सकते हैं। इस ऑफर के साथ ग्राहक 5 साल तक बिना चिंता हेक्टर का मजा उठा सकते हैं। इस अभियान के तहत वर्तमान में रजिस्टर होने वाली हेक्टर* पर आरटीओ खर्च पर 50% की छूट और एमजी एक्सेसरीज तक की पहुंच का लाभ भी मिलेगा। इस तरह की पहल एसयूवी के शौकीन लोगों को एक बेहतरीन कार पेश करने की एमजी मोटर इंडिया की प्रतिबद्धता को और भी मजबूती प्रदान करती है।

इस अभियान के बारे में बात करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सेल्स हेड राकेश सेन ने कहा, ₹भारत में एसयूवी के शौकीनों के लिए एमजी हेक्टर हमेशा से ही सबसे पसंदीदा मॉडल रहा है, और हमारा मिडनाइट कार्निवल लोगों के इसी विश्वास का एक अनूठा उत्सव है। यादगार अनुभवों के साथ पेश किए गए इस अनूठे ऑफर में हम अपने मौजूदा और भविष्य के ग्राहकों के लिए कुछ खास अनुभव प्रदान कर रहे हैं। 2019 में एमजी हेक्टर को भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी के रूप में लॉन्च किया गया था। यह तकनीक, सुरक्षा और स्टाइल के खूबसूरत संगम है। यह कार भारत में वाहनों के मानक को लगातार बेहतर बना रही है। हेक्टर में डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, इमर्सिव 35.56 सेमी (14-इंच) एचडी इंफोटेनमेंट सिस्टम, 70 से अधिक कनेक्टेड कार फीचर्स और एक एडवांस एडीएएस जैसे बेस्ट-इन-क्लास फीचर्स दिए गए हैं। यह वास्तव में सूझबूझ से भरपूर और ड्राइविंग का बहुत ही खास अनुभव प्रदान करती है।

राज-काज

जेनसोल के प्रमोटर्स पर 262 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

मुंबई। जेनसोल के शेयर प्राइस में हेरा-फेरी और फंड डायवर्जन की शिकायतों के बाद सेबी ने जून 2024 में जांच शुरू की। जांच में सेबी ने पाया कि कंपनी के प्रमोटर्स ने पर्सनल यूज के लिए फंड का डायवर्जन किया। इसके बाद सेबी ने दोनों भाइयों को डायरेक्टर पोस्ट से हटा दिया। शेयर बाजार में कारोबार करने पर भी रोक लगा दी। रएइकने अपने ऑर्डर में कहा जेनसोल में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पूरी तरह फेल हो गया। प्रमोटर्स ने इस लिस्टेड कंपनी को अपनी प्रॉपर्टी समझ लिया था। कंपनी का पैसा रिलेटेड पार्टीज में घुमाकर निजी जरूरतों पर उड़ाया गया। इसका नुकसान निवेशकों को उठाना पड़ेगा। जेनसोल का शेयर 2025 में अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयर में 16.54% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले 1 महीने में शेयर 48.17% टूट चुका है।

जनवरी-मार्च तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 12% कम हुआ, 7,033 करोड़ रहा

रेवेन्यू 8% बढ़कर 40,925 करोड़ हुआ; 22 प्रति शेयर डिविडेंट देगी कंपनी

मुंबई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्ळ सर्विस ब्रांड इंफोसिस को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 7,033 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 11.75 % की कमी आई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 7,969 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था।

जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 40,925 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर इसमें 7.92% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी द4 ऋ23-24 में टेक कंपनी ने 37,923 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू होता है।

नतीजों के साथ इंफोसिस ने प्रति शेयर 22 रुपए लाभांश यानी डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरधारकों के देती हैं, इसे डि-विडेंड या लाभांश कहा जाता है।तिमाही नतीजों से पहले इंफोसिस का शेयर आज गुरुवार (17 अप्रैल) को 1.03% की तेजी के बाद 1,427.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 11.29% गिरा है। जबकि 6 महीने में ये 27.46% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 24.16% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 5.88 लाख करोड़ रुपए है।

16 जनवरी से 17 अप्रैल के बीच कंपनी की मार्केट वैल्यू करीब 2.16 लाख करोड़ रुपए कम हुई है।1981 में स्थापित, इंफोसिस एक ठ रए लिस्टेड ग्लोबल कंसलटिंग और आईटी सर्विसेज कंपनी है। 250 डॉलर (आज के हिसाब से करीब 21,000 रुपए) की पूंजी से कंपनी की शुरूआत हुई थी। 40 साल पुरानी कंपनी के 56 से अधिक देशों में करीब 1900 ग्राहक है। इसकी दुनियाभर में 13 सब्सिडियरी कंपनियां है। कंपनी के नारायण मूर्ति हैं। उएड और मैनेजिंग डायरेक्टर सलील पारेख है। डी सुंदरम लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर है।

सेंसेक्स में 1509 अंक चढ़कर 78,553 पर बंद निफ्टी 414 अंक ऊपर 23,852 पर पहुंचा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार, 17 अप्रैल को गिरावट के बाद बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1509 अंक (1.96%) चढ़कर 78,553 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 414 अंक (1.77%) की तेजी रही, ये 23,852 के स्तर पर बंद हुआ। सुबह सेंसेक्स में करीब 350 अंकों की गिरावट थी। यानी, निचले स्तर से सेंसेक्स करीब 1900 अंक संभला। वहीं, निफ्टी करीब 140 अंक नीचे था। ये निचले स्तर से करीब 550 अंक संभला।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही। जोमैटो 4.37%, क्ळक्ळक बैंक 3.68%, एयरटेल 3.63%, सनफार्मा 3.50% और ऱइक 3.28% ऊपर बंद हुए। मारुति और टेक महिंद्रा में मामूली गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी रही। ठरए का निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 2.23%, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.05%, सरकारी बैंक 1.64%, ऑयल एंड गैस 1.23% और ऑटो में 1.03% की तेजी रही।यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की 90 दिनों की अस्थायी टैरिफ राहत से भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (इळअ) की चचाओं को गति मिलने की उम्मीद है। भारत के विपरीत चीन को अमेरिका की तरफ से टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को शॉर्ट टर्म में कॉम्पिटिटिव एडवांटेज मिल सकता है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहे हैं। 16 अप्रैल को उन्होंने 3,936 करोड़ के शेयर खरीदे। हालांकि, घरेलू निवेशकों ने 2,512 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।16 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 699 अंक (1.73%), नैस्डेक कंपोजिट 516 अंक (3.07%) और र&ढ 500 इंडेक्स 121 अंक (2.24%) गिरकर बंद हुए। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 457अंक (1.35%) चढ़कर 34,378 पर बंद हुआ। कोरिया के कोस्पी में 23 अंक (0.94%) की तेजी रही, ये 2,470 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट में 0.13% की तेजी रही, ये 3,280 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.61% तेजी रही, ये 21,395 पर बंद हुआ।

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद क्ळ सर्विस प्रोवाइड करने वाली कंपनी विप्रो के शेयर में आज करीब 6% गिरावट है। सुबह 10 बजे ये 233.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में कन्सॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 26% बढ़कर 3,570 रुपए करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 2,835 करोड़ रुपए रहा था। तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 6.44% बढ़ा है। द3 में ये 3,354 करोड़ रुपए रहा था। विप्रो ने 16 अप्रैल को ऋ2025 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर गुजरात के नर्मदा जिले के लाछरास में स्मार्ट आंगनवाड़ी और स्मार्ट कक्षा का उद्घाटन करते हुए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

हर ब्लॉक में वृंदावन गांव बनाए जाएंगे, दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश को देश में प्रथम बनाएंगे

पूरी दुनिया समझ रही है सनातन संस्कृति को : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को अब बेहतर तरीके से समझ रही है। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक में एक वृंदावन गांव बनाया जाएगा और दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को देश में नंबर वन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में सोमयज्ञ में सम्मिलित हुए और यज्ञ में आहुति देने के साथ संतों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजा-अर्चना की तथा सुख, शांति, समृद्धि कामना की। मुख्यमंत्री ने मंच से संत जनों का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। पवित्र नगरी मंदसौर को नशा मुक्त करने पर 160 समाजों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। इस दौरान सर्वाध्यक्ष पू.पा. डॉ. आचार्य गोस्वामी श्री गोकुलोत्सवजी महाराज, जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, वल्लभ मूल के आचार्यगण, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक सर्वश्री चंदर सिंह सिसोदिया, ओम प्रकाश सखलेचा, माधव मारू, दिलीप सिंह परिहार और श्री राजेश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हम सब सोमयज्ञ का हिस्सा बने है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस यज्ञ का विशेष महत्व है। पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को समझ रही है। सनातन संस्कृति की अपनी अलग विशेषता रही है। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में वर्तमान में 9% दूध उत्पादन होता है जिसको बढ़कर 20% किया जाएगा। दूध उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को प्रथम स्थान पर लाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर ब्लॉक में वृंदावन गांव बनाए जाएंगे। दूध का उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास किये जाएंगे। गांव की गौशाला अच्छे से संचालित हो इसके लिए प्रयास होंगे। एक व्यक्ति 25 गाय की एक इकाई मानकर आठ इकाई रख सकेंगे। कामधेनु योजना को जमीन स्तर पर उतारेंगे। समाज में संस्कार दिखे इसके लिए धार्मिक नगरों में शराबबंदी की गई। कृष्ण की लीलाओं के पवित्र स्थान को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएंगे।

सम्मान

शॉट न्यूज

ड्राइवर ने डिवाइडर पर चढ़ा दी बस, 15 घायल

भोपाल। प्रदेश राजधानी भोपाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के सामने बुधवार दोपहर बाद एक निजी बस शराब कंपनी के कर्मचारियों को लेकर भोपाल आ रही थी। इस दौरान बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में ड्राइवर सहित 15 लोग घायल हो गए। हादसे में चार लोगों की हालत गंभीर है, एक व्यक्ति की हालत नाजुक होने के कारण वेंटिलेटर पर रखा गया है। सभी घायल भोपाल की सोम ग्रुप की डिस्टलरीज फैक्ट्री के कर्मचारी हैं। पुलिस के अनुसार कॉलेज बस कुछ दिनों से औबेदुल्लागंज के पास स्थित सोम डिस्टलरीज कंपनी के कर्मचारियों को लाने-ले जाने का कार्य कर रही थी। आज दोपहर बाद कर्मचारी वापस भोपाल आ रहे थे। बरकतउल्ला विवि के सामने पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक बस ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे दोनों बसों में टक्कर लगने की नौबत आ गई।

ओवरटेक के समय बनी टक्कर की स्थिति, 15 घायल

भोपाल। राजधानी भोपाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के सामने बुधवार दोपहर बाद एक निजी बस शराब कंपनी के कर्मचारियों को लेकर भोपाल आ रही थी। इस दौरान बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में ड्राइवर सहित 15 लोग घायल हो गए। हादसे में चार लोगों की हालत गंभीर है, एक व्यक्ति की हालत नाजुक होने के कारण वेंटिलेटर पर रखा गया है। सभी घायल भोपाल की सोम ग्रुप की डिस्टलरीज फैक्ट्री के कर्मचारी हैं। पुलिस के अनुसार कॉलेज बस कुछ दिनों से औबेदुल्लागंज के पास स्थित सोम डिस्टलरीज कंपनी के कर्मचारियों को लाने-ले जाने का कार्य कर रही थी। आज दोपहर बाद कर्मचारी वापस भोपाल आ रहे थे। बरकतउल्ला विवि के सामने पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक बस ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे दोनों बसों में टक्कर लगने की नौबत आ गई।

प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों के लिए कलेक्टर बने काउंसलर

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में स्कूल चलो अभियान के तहत जिला कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा सीएम राइस पहुंचे। वहां उन्होंने नए एडमिशन वाले बच्चों को बैग और किताबें वितरण की। इसके बाद कलेक्टर अचानक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जिला पुस्तकालय पहुंचे। वहां पर राजगढ़ सहित जिले भर के अलग-अलग तहसील के छात्र आगामी एमपीएससी, यूपीएससी, रेलवे संविदा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनसे कलेक्टर ने बात की और उन्हें मोटिवेट किया। जानकारी अनुसार छात्रों के बीच अचानक पहुंचे कलेक्टर ने उनका मनोबल बढ़ाने के लिए पढ़ाई के अलग-अलग टिप्स दिए। वहीं, आगामी दिनों में छात्रों के लिए काउंसलिंग के लिए एक काउंसलर की व्यवस्था भी करने की बात कही।

बैंड-बाजा और हथकड़ी! शादी में मेहमान बन आए बदमाशों की फिल्मी गिरफ्तारी

संवाददाता ● राजगढ़

देशभर में शादियों को लूट का अड्डा बना चुके कुख्यात कड़िया गिरोह के चार वांछित अपराधियों को उनके ही गांव में एक शादी समारोह के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये गिरफ्तारी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं रही- जहां दूल्हा-दुल्हन की खुशियों के बीच पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 4 बदनाम चेहरों को धर दबोचा। राजगढ़ जिले के कड़िया गांव में रात जब एक शादी की रस्में चल रही थीं, उसी दौरान पुलिस ने दबिश देकर कबीर सांसी (24), ऋषि सांसी (19), मोहनीश सांसी और रोहन सांसी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी

न्यूज एजेंसी के अनुसार इन अपराधियों के खिलाफ मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं। अकेले मोहनीश के खिलाफ 32 और कबीर के खिलाफ 16 आपराधिक केस दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में इस ऑपरेशन को बेहद सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया। मिश्रा ने बताया कि कुल 153 जवानों को 17 अलग-अलग थानों से बुलाकर गांव और उसके आसपास तैनात किया गया था। एक अस्थायी पुलिस शिविर भी टेंट, मोबाइल टॉयलेट और पानी के टैंकर जैसी सुविधाओं के साथ स्थापित किया गया था। कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में भीड़ में मौजूद रहे ताकि अपराधियों की पहचान होते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, गांव में जगह-जगह बैनर लगाए गए जिनमें वांछित अपराधियों की तस्वीरें थीं, जिससे आम लोगों को सतर्क रहने और पुलिस को सहयोग देने में मदद मिली। उसके बाद पुलिस ने मंगलवार रात को शादी की रस्में पूरी होने के तुरंत बाद चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

बोड़ा थाना प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि कड़िया गांव में अभी भी 50 से ज्यादा फरार अपराधियों की तलाश जारी है। उन्होंने कहा, 'हम इन्हें पकड़ने के लिए व्यापक अभियान चला रहे हैं।' गौरतलब है कि कड़िया गिरोह पर देशभर में चोरी और डकैती के कई मामले दर्ज हैं। पिछले साल अगस्त में भी इस गिरोह के 3 सदस्य जयपुर में एक हाई-प्रोफाइल शादी से 1.45 करोड़ की ज्वेलरी चोरी करते पकड़े गए थे। यह कार्रवाई पुलिस के लिए सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी जीत मानी जा रही है। अब देखना होगा कि बाकी बचे सदस्यों तक पुलिस कितनी जल्दी पहुंचती है।

प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल की तैयारी में

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में संविदा पर काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों ने अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान किया है। संविदा कर्मचारियों ने 22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन धरने पर जाने की घोषणा की है। बुधवार को छिंदवाडा कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन ने संघ ने सरकार पर संविदा नीति 2025 में अनदेखी का आरोप लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक संविदा नीति 2025 में संविदा कर्मियों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि संविदा नीति 2025 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणाओं को भी नजरअंदाज किया गया है। संविदा कर्मियों के संघ ने चेतावनी दी है कि अगले 7 दिनों में ठोस कदम नहीं उठाए तो वो हड़ताल पर चले जाएंगे। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को अपनी मांगों को लेकर सौंपे ज्ञापन के बाद संविदा कर्मचारियों के संघ ने घोषणा की है कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं सुनी तो 22 अप्रैल से संविदा कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संघ ने चेतावनी देते हुए कहा यदि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि वे अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसे कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

घोषणाओं को भी नजर अंदाज किया गया है

तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने का सिलसिला शुरू हो गया

मध्य प्रदेश के इन 6 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

संवाददाता ● भोपाल

अलग-अलग स्थानों पर बनी पांच मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं के साथ मामूली नमी आ रही है। इस वजह से प्रदेश में कहीं-कहीं बादल बने हुए हैं। इसके साथ ही गरज-चमक की स्थिति बनी रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, गुरुवार से तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने का सिलसिला शुरू हो सकता है। खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, धार, सिवनी, बालाघाट जिले में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ वर्षा भी हो सकती है।

मौसम

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हुई। जबलपुर संभाग के जिलों में बूंदाबांदी हुई। शेष संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। दिन का सबसे अधिक 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया। गुरुवार से तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि 18 अप्रैल से तापमान में एक बार फिर कमी आ सकती है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी एवं पूर्वी मध्य प्रदेश में हवाओं का रुख अलग-अलग बना हुआ है।

इस वजह से पश्चिमी मध्य प्रदेश में तापमान बढ़ा हुआ है। गुरुवार से दिन के तापमान में और बढ़ोतरी होने के आसार हैं। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ने की भी संभावना है।

ये मौसम प्रणालियां सक्रिय

वर्तमान में दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। इस चक्रवात से लेकर पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, कर्नाटक, रायलसीमा, तमिलनाडु से होकर मन्नार की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

पूर्वी मध्य प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना है। इस चक्रवात से लेकर छत्तीसगढ़, झारखंड से होकर पश्चिम बंगाल तक एक द्रोणिका बनी है।

इसके अतिरिक्त पूर्वी मध्य प्रदेश पर बने चक्रवात से लेकर मराठवाड़ा, कर्नाटक तक भी एक द्रोणिका मौजूद है।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री बोले-

'हमें मुसलमानों से कोई दिक्कत नहीं है, पर कायदे...'

संवाददाता ● रतलाम

अपने प्रवचन और बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि कई बार हमसे सवाल पूछा जाता है तुम हिंदू मुस्लिम बहुत करते हो, तो हम बोलते हैं हम तो सिर्फ हिंदू-हिंदू करते हैं। हमें मुसलमानों से कोई दिक्कत नहीं है। पर कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। मध्य प्रदेश के रतलाम में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'मुर्शिदाबाद देख लो, हिन्दू पलायन करने को मजबूर हैं। हमें किसी रंग से दिक्कत नहीं है, पर कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे।' नीमच में हुए जैन संत पर हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी संत पर हमला नहीं करना चाहिए, यह बहुत ही गलत है। हम हिंदू एकता के लिए एक यात्रा दिल्ली से निकालने वाले हैं। हम हिन्दुओं में एकता रहे ये काम कर रहे हैं। हिंदू राष्ट्र बने इसलिए हिंदू एकता करा रहे हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर ये बोले पं. धीरेंद्र शास्त्री...

मुर्शिदाबाद की हिंसा पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मुर्शिदाबाद की हिंसा एक सोची समझी साजिश है और वहां की सरकार का हाथ है। उन्होंने धार्मिक यात्राओं पर पथराव को लेकर कहा कि धार्मिक यात्राओं पर पथराव इसलिए हो रहा हैं, क्योंकि हिन्दुओं को और सनातनीयों को डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वो ये भूल गए की जबतक इस देश में बागेश्वर बाबा हैं, हिंदू डरेगा नहीं, हिंदू मिटेगा नहीं और हिंदू पीछे हटेगा नहीं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के धुलियान और शमशेरगंज इलाकों में 11 और 12 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान झड़पें हुई थी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने 210 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा प्रभावित इलाकों में केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है।

शराब माफिया ने किया आबकारी टीम पर हमला

संवाददाता ● रायसेन

मध्य प्रदेश के रायसेन में जिला मुख्यालय के पास ग्राम पठारी में बुधवार को अवैध शराब बिक्री की सूचना पर छापा मारने गई आबकारी विभाग की टीम पर शराब माफिया ने हमला कर दिया। आबकारी टीम ने महिला की दुकान से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की थी। इससे आक्रोशित होकर माफिया और ग्रामीणों ने आबकारी टीम के वाहनों पर जमकर पथराव किया। इस घटना में सहायक आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल और उनके ड्राइवर को गंभीर चौटे आई हैं। सहायक आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर कर दिया हैं। कोतवाली पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद इस मामले में एक महिला साहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं, जबकि आबकारी टीम पर हमला करने वाले 11 आरोपियों पर बलबा, पथराव आदि धारा में मामला दर्ज किया है। एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि एसडीओ सरिता चंदेल आबकारी टीम के साथ छापा मारने पहुंची थीं। गांव के रहने वाली काशीबाई के यहां से 75 क्वार्टर मिले थे। इस दौरान काशीबाई के परिवार समेत ग्रामीणों ने पत्थरबाजी कर दी। पथराव में सरिता और उनका ड्राइवर घायल हो गया।

दिग्विजय सिंह पर हैं गंभीर आरोप

साल पुराने सरला मिश्रा हत्याकांड की फिर जांच के आदेश

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह मुश्किल में फंस सकते हैं, क्योंकि 28 साल पुराने कांग्रेस नेता सरला मिश्रा हत्याकांड की फाइल एक बार फिर से खुलने जा रही है। भोपाल की जिला अदालत ने इस केस की दोबारा से जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में सरला के भाई ने दिग्विजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भोपाल का बहुचर्चित कांड सरला मिश्रा सुर्खियों में रहा है। सरला के भाई अनुराग मिश्रा का कहना है कि उनकी बहन सरला मिश्रा 14 फरवरी 1997 को संदिग्ध अवस्था में जली हुई पाई गई थीं। पुलिस ने उस समय इस मामले में आत्महत्या का मामला दर्ज किया था, जबकि वो मामला हत्या का था।

मामला

इसी मामले में दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह का नाम भी सामने आया था। ऐसे आरोप थे कि सरला की हत्या राजनीतिक साजिश के तहत की गई थी। जब सरला मिश्रा का 1997 को निधन हुआ था, तब मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार थी और दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे। सरला मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में भोपाल के टीटी नगर थाने की ओर से पेश खात्मा रिपोर्ट को न्यायालय ने नामंजूर कर दिया है। सरला के भाई अनुराग मिश्रा की आपत्तियों के आधार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पलक राय ने टीटी नगर पुलिस को मामले की पुनः जांच कर आरोप-पत्र संबंधित न्यायालय में पेश करने का आदेश दिया है।

मामला करीब 28 वर्ष पुराना है। 14 फरवरी 1997 को सरला मिश्रा भोपाल के साउथ टीटी नगर स्थित सरकारी आवास में संदिग्ध परिस्थितियों में जल गई थीं। उन्हें इलाज के लिए पहले हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली ले जाया गया था, जहां 19 फरवरी 1997 को उनकी मौत हो गई।

पुलिस थाना टीटी नगर ने मामले की जांच कर सात नवंबर 2019 को सीजेएम कोर्ट में खात्मा रिपोर्ट पेश की थी। सरला मिश्रा के भाई अनुराग मिश्रा ने इस खात्मा रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति पेश की थी। इसके साथ ही उन्होंने इस संबंध में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट जबलपुर में एक रिट याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद भोपाल जिला कोर्ट को आदेश दिए थे। उसके बाद से यह मामला यहां चल रहा था।

न्यायालय ने रिपोर्ट को माना अधूरा

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पलक राय ने अपने आदेश में खात्मा रिपोर्ट को अधूरा बताया है। उन्होंने लिखा कि फरियादी की प्रोटेस्ट पिटीशन और खात्मा प्रकरण में साक्षियों के कथन से घटना के संबंध में की गई विवेचना अपूर्ण दिख रही है।

IAS बनना चाहती थीं उर्वशी

दावा- करोड़ों की रॉल्स रॉयस कलिनन कार खरीदने वाली पहली एक्ट्रेस

'जिंदगी में तीन चीज कभी अंडरएस्टिमेट नहीं करना...आई, मी एंड माई सेल्फ', 'मेरे बारे में इतना मत सोचना...मैं दिल में आता हूं दिमाग में नहीं'। ये दोनों डायलॉग भले ही सलमान खान की फिल्म के हैं, लेकिन असल जिंदगी में इसे एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला जी रही हैं। अपनी खूबसूरत के लिए मशहूर उर्वशी अपनी सेल्फ ऑब्सेशन के लिए भी जानी जाती हैं। वो खुद को हर मामले में नंबर वन मानती हैं। इस वजह से ट्रोलिंग उनकी लाइफ स्टाइल का हिस्सा बन गया है, लेकिन वो इन सबसे बिना घबराए अपनी अचीवमेंट्स की लिस्ट लंबी करती जा रही हैं। उत्तराखंड के छोटी सी जगह से निकलकर इंडस्ट्री में सबसे महंगी परफॉर्मर बनने तक की उनकी कहानी बेहद दिलचस्प है। मेरे पेरेंट्स का फोकस मेरी ओवरऑल ग्रोथ पर रहा। उन्होंने मुझे पढ़ाई के अलावा बाकी एक्टिविटी में भी शामिल किया। मैं स्कूल में हेड गर्ल थी। मैं बास्केटबॉल में नेशनल लेवल खेल चुकी हूं। मैं गर्ल्स टीम की कैप्टन थी। मेरी टीम ने बॉस्केटबॉल गर्ल्स चैंपियनशिप में गोल्ड भी जीता था। बचपन में मुझे पहले आईएएस ऑफिसर बनना था। फिर थोड़े टाइम के बाद मुझे एरोनॉट बनना था। जिमनास्टिक में दिलचस्पी आनी लगी तो कुछ समय जिमनास्ट बनना सपना था। बचपन में करियर को लेकर अलग-अलग सपने थे। मैंने डांस के कई अलग-अलग फॉर्म सीखे हैं। इनमें से सबसे मुश्किल रहा भरतनाट्यम। ये सबसे मुश्किल डांस फॉर्म मना जाता है। ऐसे में स्कूल में मैं घंटों लाइव परफॉर्म करती थी। मैंने बैले, कथक, जैज, हिप-हॉप डांस फॉर्म में भी महारत हासिल की है। घर में पढ़ाई का माहौल था और मैं पढ़ाकू बच्ची थी। मेरे इर्द-गिर्द सिर्फ टॉपर ही थे। मेरा सर्किल ही ऐसा था। इन सबके बीच टीवी के जरिए मैं ब्यूटी कॉन्टेस्ट के बारे में जानती थी। मैं मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन को देखती थी। 11-12 साल की रही होंगी, जब से मैंने खुद को वहां इमैजिन करना शुरू कर दिया था।

'मैं बनूंगा.. रणबीर कपूर ने जाहिर की थी दीपिका पादुकोण के पिता बनने की इच्छा

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की डेटिंग की खबरें बी टाउन में आम बात हो गई है। दोनों ने लंबे समय तक एक दूसरे को डेट किया लेकिन बाद में इनका ब्रेकअप हो गया। अब दोनों अलग-अलग साथियों के साथ शादी करके खुशी-खुशी अपनी मैरिड लाइफ बिता रहे हैं। हालांकि लोग अभी भी पर्दे पर इनका केमिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। अब दोनों एक्टर्स का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें रणबीर कह रहे हैं कि वह दीपिका पादुकोण के पिता बनना चाहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेता ने यह मजाक तब किया जब दीपिका से उनके और रणवीर सिंह के बीच बेहतर अभिनेता को चुनने के लिए कहा गया। रणबीर के मजाक ने दर्शकों को हंसाकर लोटपोट कर दिया। दरअसल

इम्तियाज अली की फिल्म तमाशा के प्रचार के दौरान दीपिका से यह सवाल पूछा गया था। दीपिका से रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीच बेहतर अभिनेता को चुनने के लिए कहा गया था। दीपिका ने कहा, 'यह ऐसा है जैसे कि आप अपनी मां को पसंद करते हैं या अपने पिता को?' जब दर्शकों में से किसी ने मजाक में पूछा कि मां कौन होगी,तो रणबीर ने कहा, 'मैं पिता बनना चाहता हूं।' दीपिका ने आगे कहती हैं, 'मुझे ऐसा लगता है कि हम हर समय लगातार तुलना करते रहते हैं। चाहे वह फिल्में हों, अभिनेता हों, यह को-स्टार हों। हमें हर समय तुलना करते रहने की जरूरत नहीं है। उनका व्यक्तित्व और रणवीर का व्यक्तित्व और वे जिस तरह का अलग-अलग काम करते हैं। हमें उनकी तारीफ करनी चाहिए और उन्हें वैसे ही स्वीकार करना चाहिए जैसे वे हैं।' बता दें कि फैंस को दीपिका और रणबीर सिंह की केमिस्ट्री बेहद पसंद थी जिसकी वजह से ब्रेकअप के बाद भी एक्टर्स ने ये जवानी है दीवानी और तमाशा जैसी फिल्मों में काम किया। दीपिका उस समय अपने बाजीराव मस्तानी को-स्टार रणवीर सिंह के साथ रिलेशन में थीं और बाद में दोनों ने शादी भी कर ली। वहीं रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट से शादी की।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बाद मजबूर हुईं अपूर्वा मखीजा

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा उर्फ रिबेल किड रातों-रात 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बाद चर्चा में आ गईं। उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इस विवाद के चर्चा में आने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया से लंबा ब्रेक ले लिया था। 1 अप्रैल को अपूर्वा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम से सभी पोस्ट डिलीट कर दिए। ठीक इसके बाद ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर नए पोस्ट के साथ दोबारा वापसी की। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। कई लोग उन्हें बुरी तरह से ट्रोल कर रहे हैं। इसके बाद ही वो एक लंबे वीडियो के साथ सामने आईं, जिसमें उन्होंने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में आने और फिर विवाद में उलझने के बाद हुए बर्ताव की कहानी सुनाई है। इस पूरे मामले पर अपूर्वा ने अपना पक्ष लोगों के सामने रखा है। अब खबरें सामने आ रही हैं कि अपूर्वा मखीजा ने अपना घर छोड़ दिया है। अपूर्वा मखीजा ने समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट को लेकर उठे विवाद के बाद मुंबई स्थित अपना फ्लैट खाली कर दिया है।

किस तरह परवान चढ़ा अदिति राव हैदरी संग इश्क

सिद्धार्थ दक्षिण भारतीय फिल्मों में जाना माना नाम है। बॉलीवुड में भी वह आमिर खान की फिल्म 'रंग दे बसंती(2006)' में अहम किरदार निभाकर चर्चा में आए थे। सिद्धार्थ अकसर ही खबरों में अपनी लव लाइफ के कारण भी बने रहते थे। जानिए, सिद्धार्थ को अदिति राव हैदरी संग मोहब्बत कैसे हुई? दोनों कब शादी के बंधन में बंध गए? सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी के बीच प्यार की शुरुआत फिल्म 'महा समुद्रम' के दौरान हुई। दोनों इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के करीब आए। फिल्म में इनकी केमिस्ट्री देखकर दर्शकों को भी अंदाज हो गया कि ये प्यार में गहरे तक डूब गए हैं। सिद्धार्थ और अदिति ने शुरुआत में अपने रिश्ते पर चुप्पी नहीं तोड़ी लेकिन साल 2023 में इन्होंने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ कहते हैं, 'मैंने जो अदिति के लिए पहली बार महसूस किया, उसे आखिर सांस तक महसूस करना चाहता हूं।' सिद्धार्थ की इस बात से अहसास होता है, वह अदिति को बेइंतहा चाहते हैं। हाल ही में अदिति राव हैदरी ने भी डायरेक्टर फराह खान के व्लॉग चैनल पर सिद्धार्थ से जुड़ी कुछ खास बातें साझा कीं। अदिति कहती हैं, 'मैंने सिद्धार्थ से शादी करने का फैसला पल भर में लिया था। वह बहुत ही सच्चा इंसान है। साथ ही वह बहुत ही कमाल का शख्स है, उसके साथ रहने में बहुत मजा आता है। बतौर एक्टर भी वह काफी टैलेंटेड है।' सिद्धार्थ अदिति को बहुत प्यार करते हैं, इसलिए जब प्रपोज करने की बात आई तो उन्होंने अदिति से जुड़ी एक खास जगह को चुना। सिद्धार्थ ने अदिति की ग्रैंडमदर की पसंदीदा जगह को चुना और वहां पर एक्ट्रेस को प्रपोज किया।

सोनम कपूर ने डियोर ऑटम शो 2025 ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री और ग्लोबल फैशन आइकन सोनम कपूर ने डियोर ऑटम शो 2025 में अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। जापान की सांस्कृतिक राजधानी क्योटो में आयोजित इस शो में सोनम ने डियोर प्री-फॉल 2025 के शानदार परिधान में शिरकत की और अपने अंदाज में गरिमा व स्टाइल का संगम प्रस्तुत किया। वह इस शो में भाग लेने वाली एकमात्र बॉलीवुड स्टार रहीं। डियोर की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में, सोनम कपूर ने एक बार फिर अपनी विशिष्ट एलिगेंस और सादगी का परिचय दिया। यह शो क्योटो के प्रसिद्ध टो-जी मंदिर में आयोजित किया गया, जिसमें सोनम कई प्रतिष्ठित मेहमानों के साथ शामिल हुईं। सोनम को उनकी बहन रिया कपूर ने स्टाइल किया था। उन्होंने अपनी डियोर लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिन्हें फैशन क्रिटिक्स और फैन्स से काफी सराहना मिली।इस शो में भाग लेने पर सोनम कपूर ने कहा, "जापान हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। शादी के बाद मैं अपने पति के साथ क्योटो कई बार आई हूं और यहां के लोगों की गर्मजोशी और अपनापन महसूस किया है। इस साल डियोर एम्बेसडर के तौर पर लौटना मेरे लिए और भी खास है।"

चार वर्ष से स्क्रीन पर नहीं दिखीं हेमा मालिन

हेमा मालिनी को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म शिमला मिर्ची में देखा गया था। एक्ट्रेस ने हाल ही में कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह आजकल बनने वाली फिल्मों में फिट बैठेंगी या नहीं। हेमा मालिनी से हाल ही में एक पब्लिक आउटिंग के दौरान पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करने में इंटरेस्टेड हैं। जिसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'आजकल जो फिल्में बनाते हैं, उनमें मैं फिट नहीं होती हूं। मेरे फिट होने जैसा कुछ बनना पड़ेगा, अलग से।' इस दौरान हेमा मालिनी के साथ उनकी बेटी ईशा देओल भी नजर आईं। ईशा ने हेमा मालिनी के वापस इंडस्ट्री में आने और नया प्रोजेक्ट शुरू करने पर बात की। उनसे पूछा गया, 'क्या हेमा मालिनी को इंडस्ट्री में वापस आने के लिए कुछ समझाने की जरूरत है?' जिसके जवाब में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह कुछ ऐसा चाहती हैं जो उनके लिए ठीक हो।' बता दें, हेमा मालिनी ने साल 1963 में तमिल फिल्म इधु सथियम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर साल 1968 में फिल्म सपनों का सौदागर से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में शोले, सत्ते पे सत्ता, सीता और गीता, कसौटी, त्रिशूल और महबूबा जैसी कई फिल्मों में काम किया। हेमा को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म शिमला मिर्ची में देखा गया था। इसमें राजकुमार राव और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी।

'फुले' की रिलीज पर रोक लगने से भड़के अनुराग

फिल्म निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप ने फिल्म 'फुले' को लेकर सेंसरशिप मुद्दों पर चिंता जताई है। महाराष्ट्र में ब्राह्मण समुदाय द्वारा फिल्म को लेकर जताई गई आपत्ति के बाद इसके रिलीज को कथित तौर पर स्थगित कर दिया गया था। अनुराग ने इस बात पर हैरानी जताई की फिल्म रिलीज से पहले ही समुदाय इस तक कैसे पहुंच प्राप्त कर पाया। उन्होंने जातिवाद को लेकर सरकार पर भी सवाल खड़े किए। अनुराग कश्यप ने पूरे मामले पर अपनी निराशा जताई। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी साझा की। अनुराग ने लिखा, 'मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले पर था। भाई अगर जातिवाद नहीं होता इस देश में तो ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले को क्या जरूरत थी लड़ने की। अब एक समुदाय के लोगों को शर्म आ रही है या वो शर्म में मरे जा रहे हैं या फिर एक अलग ही समुदाय भारत में हैं। हम देख नहीं पा रहे हैं, बेवकूफ कौन है कोई तो समझाए?' अनुराग का मानना है कि 'फुले' उन कई फिल्मों में से एक है, जिन्हें अपने बोल्ड और बेबाक विषयों के कारण दमन का सामना करना पड़ रहा है। वह 'पंजाब 95', 'तीस', 'धड़क 2' सहित कई फिल्मों का हवाला देते हुए सुझाव देते हैं कि इन फिल्मों को असहज सच्चाई को दर्शाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। अनुराग ने लिखा, 'मुझे नहीं पता कि इस जातिवादी, क्षेत्रवादी, नस्लवादी सरकार के एजेंडे को उजागर करने वाली और कितनी फिल्में ब्लॉक की गई हैं। उन्हें अपना चेहरा आईने में देखने में शर्म आती है। उन्हें इतनी शर्म आती है कि वो खुलकर यह भी नहीं बता सकते कि फिल्म में ऐसा क्या है। निर्देशक अनंत महादेवन की फुले को सीबीएफसी की तरफ से यू सर्टिफिकेट दिया गया।

2022 के बाद पहली बार आईपीएल में सुपर ओवर से निकला नतीजा, राजस्थान को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली

एजेंसी ● कोलकाता

दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के मैच में सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स को हराया। राजस्थान ने सुपर ओवर में 11 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली ने चार गेंदों पर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर ओवर में दिल्ली के लिए केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए थे और स्टब्स ने छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलाई। 2022 के बाद यह पहली बार है जब आईपीएल में किसी मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला है। इस जीत के साथ ही दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर आ गई। उसके छह मैचों में पांच जीत और एक हार के साथ 10 अंक हो गए हैं।

आईपीएल में अब तक 15 मैच टाई रहे हैं। सुपर ओवर में दिल्ली का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने पांच में चार मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने सुपर ओवर में राजस्थान को हराने से पहले 2021 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2020 में पंजाब किंग्स, 2019 में कोलकाता नाइट राइडर्स और 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया था। हालांकि, 2013 में उसे सुपर ओवर में आरसीबी के हाथों हार मिली थी। दिल्ली की टीम आईपीएल में सबसे ज्यादा सुपर ओवर मैच जीतने वाली टीम बन गई है। उसने इस मामले में पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ा जिसने चार मैचों में तीन बार सफलता हासिल की है।

दिल्ली और राजस्थान के बीच 20 ओवर की समाप्ति के बाद स्कोर बराबरी पर छूटा जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर से कराने का फैसला हुआ। दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए थे। राजस्थान की टीम यशस्वी जायसवाल और नीतीश राणा के अर्धशतकों के अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन टीम निर्धारित ओवर में चार विकेट पर 188 रन ही बना सकी। इस तरह मुकाबला बराबरी पर छूटा। सुपर ओवर में हालांकि, राजस्थान की टीम पूरे छह गेंद भी नहीं खेल सकी और उसने पांच गेंदों पर दो विकेट गंवा दिए। इस तरह दिल्ली को सुपर ओवर में लक्ष्य हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए सबसे पहले राजस्थान की टीम उतरी। राजस्थान की ओर से शिमरॉन हेटमायर और रियान पराग बल्लेबाजी के लिए आए, जबकि दिल्ली ने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को गेंद थमाई। पहली गेंद पर कोई रन नहीं आया और दूसरी गेंद पर हेटमायर ने चौका लगाया। तीसरी गेंद पर हेटमायर ने एक रन लिया और स्ट्राइक पर पराग आए। चौथी गेंद पर पराग ने चौका लगाया, लेकिन यह नो बॉल करार दी गई।

स्टार्क ने फ्री हिट पर वाइड गेंद फेंकी, लेकिन पराग दौड़ पड़े और रन आउट हो गए। पराग चार रन बनाकर आउट हुए और क्रीज पर यशस्वी जायसवाल उतरे। अगली गेंद पर हेटमायर ने शॉट लगाया और दो रन के लिए भागे। हालांकि, एक ही रन पूरा हुआ और टीम सुपर ओवर पूरा नहीं खेल सकी। राजस्थान ने पांच गेंदों पर 11 रन बनाए। सुपर ओवर में लक्ष्य का बचाव करने के लिए दिल्ली कैपिटल्स की ओर से केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए। राजस्थान ने गेंद संदीप शर्मा को थमाई। पहली गेंद पर केएल राहुल ने दो रन निकाले। राहुल ने अगली गेंद पर चौका लगाया। तीसरी गेंद पर एक रन आया और स्टब्स स्ट्राइक पर आए। चौथी गेंद पर स्टब्स ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले, लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने अच्छी शुरूआत की थी और पावरप्ले तक कोई विकेट नहीं गंवाया था। कप्तान संजू सैमसन हालांकि 19 गेंदों पर 31 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गए और मैदान पर दोबारा वापस नहीं आए। रियान पराग आठ रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद यशस्वी ने नीतीश राणा के साथ मिलकर 50+ रनों की साझेदारी की। यशस्वी ने इस सीजन का अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा, लेकिन वह 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद नीतीश राणा ने मोर्चा संभाला और 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। नीतीश भी फिर ज्यादा देर नहीं टिक सके और 28 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल और शिमरॉन हेटमायर क्रीज पर थे और सेट हो चुके थे। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए नौ रन बनाने थे, लेकिन मिचेल स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की और सिर्फ आठ रन दिए। अंतिम गेंद पर दो रन चाहिए थे। जुरेल ने शॉट मारा और दो रन के लिए भागे, लेकिन दूसरा रन पूरा नहीं कर सके। जुरेल 17 गेंदों पर दो छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेटमायर 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। राजस्थान की ओर से मिचेल स्टार्क, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिए।

बीसीसीआई प्रेजिडेंट रोजर बिन्नी ने किया रोहित शर्मा को मैच से पहले सम्मानित

एजेंसी ● मुंबई

हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस वानखेड़े स्टेडियम में पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल 2025 के 33वें मैच में भिड़ी। हार्दिक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। रोहित शर्मा एक बार फिर मुंबई इंडियंस की प्लेइंग कमें नहीं थे और उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर्स' की लिस्ट में रखा गया था। रोहित को मुंबई इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल कर रही है।मैच शुरू होने से पहले, इउउक के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने रोहित को एक खास मोमेंटो दिया। रोहित शर्मा आईपीएल के शुरू होने से लेकर अब तक हर सीजन में खेले हैं। उन्होंने अपना आईपीएल करियर डेक्कन चार्जर्स के साथ शुरू किया और 2010 तक उसी टीम में रहे। रोहित 2011 में हुए मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियंस में शामिल हुए और तब से वे इसी टीम के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल द्वारा शेयर की गई वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, '18 सीजन और 1 लेगसी। मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा को इउउकके अध्यक्ष रोजर बिन्नी द्वारा खास मोमेंटो दिया गया।'रोहित ने पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग की ट्रॉफी जीती है। उन्होंने 2013 में रिकी पोंटिंग की जगह एमआई के कप्तान बनने के बाद कप्तानी शुरू की थी। उन्होंने अपने पहले ही सीजन में मुंबई को पहला खिताब दिलाया था।एमएस धोनी, विराट कोहली और मनीष पांडे भी उन खिलाड़ियों में से हैं जो आईपीएल के हर सीजन में खेले हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपना आईपीएल करियर शुरू किया और वे अभी भी उसी टीम के लिए खेल रहे हैं। हालांकि, जब चेन्नई को दो साल के लिए बैन किया गया था तो धोनी आईपीएल 2016 और 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट टीम के लिए भी खेले थे

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद बीसीसीआई का बड़ा फैसला

अभिषेक नायर और दिलीप कोचिंग टीम से हटाए गए

एजेंसी ● मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए फील्डिंग कोच टी दिलीप और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर को भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ से हटा दिया है। बीसीसीआई ने यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोचिंग स्टाफ और भी कई सदस्यों को हटाकर बीसीसीआई ने सख्त चेतावनी दी है कि टेस्ट में भारतीय टीम के प्रदर्शन को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

अभिषेक को आठ महीने पहले ही असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया था, जब गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला था। हालांकि, अब उन्हें सहायक कोच की उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। उनके साथ फील्डिंग कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा टीम में खिलाड़ियों का मसाज करने वाले

एक स्टाफ को भी बर्खास्त किया गया है।द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप 2024 के बाद समाप्त हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने गंभीर को मुख्य कोच बनाया था। गंभीर ने अपने सहयोगी के तौर पर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े अपने साथियों को टीम से जोड़ा था। गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने से पहले केकेआर के मेंटर रहे थे और तब उसी टीम में अभिषेक नायर, रेयान टेन डेशकाटे सहयोगी स्टाफ रहे थे। मोर्ने मोर्कल ने गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जाएंट्स में काम किया था। दिलीप द्रविड़ के समय से ही फील्डिंग कोच के पद पर बने हुए थे।

हालांकि, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद अभिषेक पर सवाल खड़े हो रहे थे। बीसीसीआई ने इसके बाद एनसीए और भारत-ए के कोच सितांशु कोटक को सीमित ओवर के क्रिकेट के लिए बतौर बैटिंग कोच टीम इंडिया से जोड़ा था। भारत ने फिर चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम किया था। हालांकि, तब अभिषेक, रेयान टेन, मोर्कल और दिलीप भी टीम स्टाफ का हिस्सा थे। अब जब दिलीप, सोहम और अभिषेक को बर्खास्त कर दिया गया है, बाकी अपने पद पर बने रहेंगे। फिलहाल सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे टी दिलीप की जगह अस्थाई रूप से फील्डिंग कोच की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। नायर और दिलीप के लिए अभी तक किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स, जो इस समय आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ हैं, सोहम देसाई की जगह स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच की जिम्मेदारियों को संभालेंगे।

बीसीसीआई पर था टेस्ट में प्रदर्शन सुधारने का दबाव

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में झटके के बाद बीसीसीआई पर टेस्ट में टीम के प्रदर्शन को सुधारने पर काफी दबाव था। बीजीटी में भारत को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया नहीं, भारत को अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट में 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। इन दोनों सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रदर्शन की भी खूब आलोचना हुई थी।

एयरपोर्ट पर धोनी ने दिखाई दरियादिली, व्हीलचेयर पर बैठी प्रशंसक के साथ ली सेल्फी

एजेंसी ● नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के व्यवहार ने एक बार फिर प्रशंसकों का दिल जीत लिया। एयरपोर्ट पर धोनी ने दरियादिली दिखाई और व्हीलचेयर पर बैठी एक प्रशंसक के साथ सेल्फी ली। धोनी सुरक्षाकर्मियों के बीच से गुजर रहे थे और उनकी नजर प्रशंसक पर पड़ी जो उनके साथ फोटो लेना चाहती थी। धोनी थोड़ी देर के लिए रुके और प्रशंसक की तरफ गए। धोनी ने उस प्रशंसक का फोन लिया और उनके साथ सेल्फी ली।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग माही के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा कर रहे हैं। भारत को अपनी कप्तानी में विश्व कप दिला चुके धोनी कई बार ऐसा कर चुके हैं और प्रशंसकों के साथ उनका व्यवहार हमेशा ही सरल होता है। उन्हें अक्सर प्रशंसकों के साथ फोटो खिंचवाते देखा जाता है, खासकर अपने गृहनगर रांची में।धोनी इस वक्त आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूनार्मेंट के शेष सत्र से बाहर हो गए हैं जिस कारण धोनी उनकी अनुपस्थिति में कमान संभाल रहे हैं। धोनी का समर्थन करने के लिए चेन्नई के घरेलू मैदान एमए चिदंबरम स्टेडियम पर ही नहीं, बल्कि हर वेन्यू पर प्रशंसक आ रहे हैं। सोमवार को सीएसके और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मैच के दौरान अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में भी धोनी की दीवानगी देखने को मिली थी।

प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले उम्रदराज खिलाड़ी

धोनी ने लखनऊ में अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और सीएसके ने लगातार पांच मैच हारने के बाद जीत हासिल की थी। उस मैच में धोनी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 2018 सीजन के बाद पहली बार उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था। धोनी आईपीएल इतिहास में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। सीएसके का सामना अब रविवार को मुंबई इंडियंस से वानखेड़े स्टेडियम पर होगा।

युवा 'बंदूकबाज' सुरुचि सिंह कौन हैं, जिसने मनु भाकर को हराकर जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली: भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को पेरू के लीमा में हुए आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। सुरुचि सिंह ने फाइनल में कुल 243.6 का स्कोर किया और अपनी ही देश की खिलाड़ी, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को हराकर स्वर्ण पदक जीता।मनु भाकर ने 242.3 का स्कोर करके रजत पदक जीता, जबकि चीन की याओ कियानक्सुन, जो पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन हैं। उन्होंने ने 219.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इस साल आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि सिंह का यह लगातार दूसरा स्वर्ण पदक था।इतना ही नहीं बल्कि सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने बुधवार को पेरू के लीमा में हुए विश्व कप में मिक्स्ड एयर पिस्टल स्पर्धा में चीन के क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान पर रहे याओ कियानक्सुन और हू काई (585) को 17-9 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। 18 वर्षीय सुरुचि का विश्व कप में यह तीसरा स्वर्ण पदक था, ब्यूनस आयर्स और लीमा दोनों में उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते थे।18 वर्षीय सुरुचि ने पिछले हफ्ते ब्यूनस आयर्स में 244.6 का स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता था, जो शूटिंग विश्व कप में उनका पहला पोडियम फिनिश था। भारत की स्टार निशानेबाज और युवा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मनु भाकर ने सुरुचि से हार के बाद उनकी सरहाना की। उन्होंने इवेंट के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'सुरुचि ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस उम्र में उनका यह धैर्य सराहनीय है। भारतीय निशानेबाजी के लिए ऐसी प्रतिभा को उभरते देखना बहुत अच्छी बात है।'

टी20 मुंबई लीग का चेहरा होंगे रोहित शर्मा, अन्य भारतीय खिलाड़ी भी खेलते दिख सकते हैं

एजेंसी ● मुंबई

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा टी20 मुंबई लीग के दूत होंगे और एमसीए को उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव जैसे सितारे भी इस टनार्मेंट में भाग लेंगे जो कोरोना महामारी के कारण दो सत्र बाद आयोजित नहीं किया जा सका। यह लीग 2018 और 2019 में खेली गई थी जिसके बाद कोरोना महामारी के कारण बंद हो गई। रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं, लेकिन आईपीएल खेलते हैं।मुंबई के नामचीन खिलाड़ियों में रोहित के अलावा सूर्यकुमार, श्रेयस, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे, तुषार देशपांडे और पृथ्वी शॉ हैं।

टेस्ट बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल कुछ दिन पहले मुंबई से गोवा चले गए। एमसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'हमने मुंबई के खिलाड़ियों के लिये इसमें भाग लेना अनिवार्य नहीं किया है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वे टी20 मुंबई लीग खेलेंगे। इससे मुंबई क्रिकेट, क्रिकेटरों और लीग को फायदा मिलेगा। एमसीए को टूनार्मेंट के लिए 2800 से अधिक आवेदन मिले हैं।

भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को गुरुवार को रत्नागिरी जेटस का आइकन खिलाड़ी नामित किया गया जो महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) में खेलेगी। डब्लूएमपीएल का पहला टूनार्मेंट पिछले साल जून में खेला जाना था लेकिन दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के भारत दौरे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था और बाद में इसके आयोजन के लिए सही तारीख नहीं मिल पाई थी। रत्न ागिरी जेट्स ने लगातार दो वर्षों तक महाराष्ट्र प्रीमियर लीग का पुरुष टूनार्मेंट जीता है। मंधाना ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'फ्रेंचाइजी ने एमपीएल में सफलता और महिलाओं के खेल के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण दिखाया है। मैं इस सफर को नए मुकाम पर पहुंचाने को लेकर उत्साहित हूं।'

घर में पहली जीत की तलाश में उतरेगी आरसीबी

एजेंसी ● बंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए घर में जीत दर्ज करना चुनौती बना हुआ है। शुक्रवार को उनका सामना पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में अगर आरसीबी को जीत दर्ज करनी है तो उन्हं पंजाब के स्पिन आक्रमण से सावधान रहना होगा।आरसीबी के बल्लेबाजों को बंगलुरू की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था। अब युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल उनकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

यही नहीं, चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट लेकर फॉर्म में लौटने वाले चहल का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता जबकि मैक्सवेल को बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। चहल जादुई गेंदों के बजाय लेंथ के मास्टर हैं। यह लेग स्पिनर ऑफ-स्टंप के बाहर गेंद करके बल्लेबाजों को लंबे शॉट खेलने का लालच देता है जिससे कि वह सीमा रेखा के करीब कैच दे देते हैं। वह अपनी गति में भी काफी चतुराई से बदलाव करते हैं और यदि बल्लेबाजों को उनके खिलाफ छक्के मारने हैं तो उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत होती है। मैक्सवेल भी एक ऐसे स्पिनर हैं, जो बड़े टर्न या डिपर्स के बजाय नियंत्रण पर भरोसा करते हैं।

आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण में ये अनुभवी

आरसीबी के पास क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा के रूप में अच्छे स्पिनर हैं और टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन के रूप में अच्छे तेज गेंदबाज हैं, हालांकि वे आरसीबी के जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जितने अनुभवी नहीं हैं।

अगर कप्तानों की बात करें तो रजत पाटीदार और श्रेयस अय्यर में बहुत कम समानता है। इस टूनार्मेंट में एक बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकार्ड रखने वाले अय्यर ने आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में अपनी साख साबित की है। दूसरी तरफ पाटीदार आईपीएल में पहली बार कप्तान बने हैं। लेकिन असमानता यहीं पर खत्म हो जाती है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी शांत रहकर बड़ी कुशलता से अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

कोलकाता के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में जीत दर्ज करने से पंजाब का हौसला बढ़ा होगा लेकिन उसे आरसीबी से सतर्क रहना होगा जिसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी गहराई है और उस पर पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान काम नहीं होता है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11 इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः फिल सॉल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, यश दयाल।

पंजाब किंग्सः प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह(विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, मार्को यानसेन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विजयकुमार विशाक।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

ईस्टर वीक में ईसा मसीह को किया याद...

स्पेन के शहर ज़मोरा में पवित्र सप्ताह के दौरान अपने ' होली मनडे' के जुलूस की शुरुआत में 'क्रिस्टो डे ला बुएना मुएर्टे' (अच्छी मृत्यु के मसीह) भाईचारे के पश्चातापी सैन विसेंट मार्टिर (सेंट विंसेंट शहीद) के चर्च को छोड़ते हुए। दुनिया भर के ईसाई विश्वासी ईसा मसीह के क्रूस पर चढ़ने और पुनरुत्थान के उपलक्ष्य में ईस्टर के पवित्र सप्ताह को मनाते हैं।

ट्रम्प को सीधे कवर नहीं कर पाएंगी बड़ी न्यूज एजेंसियां

सिर्फ 'मनचाहे' सवालों का जवाब देंगे ट्रम्प, कई एजेंसियों को किया बाहर

एजेंसी ● वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने व्हाइट हाउस प्रेस पूल से रॉयटर्स, ब्लूमबर्ग और एसोसिएटेड प्रेस (एपी) न्यूज एजेंसी को बाहर करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने 15 अप्रैल को कहा कि इन न्यूज एजेंसी को प्रेस पूल में अब स्थायी जगह नहीं मिलेगी। प्रेस पूल एक छोटा सा ग्रुप होता है, जिसमें करीब 10 मीडिया संस्थान होते हैं। इसमें कुछ पत्रकार और फोटोग्राफर शामिल होते हैं। ये लोग राष्ट्रपति की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को कवर करते हैं और बाकी पत्रकारों को जानकारी देते हैं। व्हाइट हाउस प्रेस पूल की शुरुआत 1950 के दशक में राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के समय हुई थी। दरअसल राष्ट्रपति को कवर करने के लिए पत्रकारों की भीड़ बढ़ने लगी। इससे निपटने के लिए पत्रकारों का एक छोटा सा ग्रुप बनाया गया। इसे प्रेस पूल नाम दिया गया। प्रेस पूल में कौन से मीडिया हाउस होंगे यह तय करने की जिम्मेदारी व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंस एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) के पास थी। यह पत्रकारों का एक स्वतंत्र संगठन है। इसकी स्थापना साल 1914 में हुई थी। बाकी मीडिया संस्थान जो वॉशिंगटन से सीधे जुड़े नहीं हैं, वे अप-टु-डेट रिपोर्टिंग, वीडियो और ऑडियो के लिए इन्हीं न्यूज एजेंसियों पर निर्भर हैं।

रोजाना प्रेस पूल मेंबर्स को चुनेगा व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अब उनकी टीम ही रोजाना प्रेस पूल के मेंबर्स को चुनेंगी। इसका मकसद राष्ट्रपति ट्रम्प का संदेश सही दर्शकों तक पहुंचाना और हर मुद्दे के लिए एक्सपर्ट पत्रकारों को रखना है। प्रेस सचिव लेविट ने दावा किया कि इससे प्रेस पूल में ज्यादा वैराइटी आएगी। हालांकि व्हाइट हाउस के इस फैसले को प्रेस की आजादी पर हमला माना जा रहा है। फैसले के विरोधियों का कहना है कि यह कदम स्वतंत्र पत्रकारिता को कमजोर करता है।

प्रेस पूल में पत्रकार ही नहीं कंटेंट क्रिएटर भी शामिल

व्हाइट हाउस ने साफ नहीं बताया, लेकिन प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि वे पॉडकास्टर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और 'न्यूज से जुड़े कंटेंट क्रिएटर्स' को मौका देना चाहते हैं। हाल ही में उन्होंने ट्रम्प समर्थक लोगों को मौका दिया है, जैसे पॉडकास्टर सेज स्टील और राइट साइड ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क के ब्रायन ग्लेन। पहले केवल डब्ल्यूएचसीए के सदस्य जिसमें सैकड़ों पत्रकार हैं, वे ही पूल में शामिल हो सकते थे, लेकिन अब व्हाइट हाउस अपने हिसाब से लोगों को चुनेगा।

शॉट न्यूज

अब महाराष्ट्र में कक्षा 1 से 5 तक हिन्दी होगी अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी भाषा को भी कक्षा 1 से 5 तक के लिए अनिवार्य कर दिया है। राज्य में मराठी भाषा को बढ़ाए जाने और हिंदी भाषी लोगों के साथ होने वाली मारपीट की कई घटनाएं सामने आने के बीच राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पाठ्यक्रम के तहत महाराष्ट्र में यह तीन भाषा फॉर्मूला लाया गया है। राज्य के स्कूली शिक्षा विभाग ने कल बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुझावों को मानते हुए पाठ्यक्रम को एक नए तरीके से तैयार किया है। इस बयान के अनुसार, महाराष्ट्र के अन्य माध्यम स्कूल पहले से ही तीन भाषा फॉर्मूले का पालन कर रहे हैं। क्योंकि राज्य में मराठी और अंग्रेजी भाषा को पढ़ाना अनिवार्य है। अब इसके साथ हीं हिंदी भी पढ़ाई जाएगी। नई नीति 2025 से लागू हो जाएगी।

कोर्ट का आरक्षण देने से इनकार

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को नहीं माना जाएगा महिला

सिर्फ वही महिला जो जन्म से फिमेल

एजेंसी ● लंदन

ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कल महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलॉजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया। बैंच में शामिल जज पैट्रिक हॉज ने कहा कि यह एक्ट ट्रांसजेंडर लोगों को उनके साथ जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव से सरंक्षण देता है। 2018 में स्कॉटलैंड की संसद ने कानून पास किया था, जिसमें कहा गया था कि स्कॉटिश सार्वजनिक निकायों की बोर्ड में 50% महिलाएं होनी चाहिए। इस कानून के तहत ट्रांसजेंडर महिलाओं को भी महिला माना गया था। इसे लेकर महिला अधिकार समूह फॉर वूमेन स्कॉटलैंड (एफडब्ल्यूएस) ने सरकार के खिलाफ स्कॉटिश कोर्ट में केस दायर किया था। स्कॉटिश अदालतों ने इस मामले में सरकार का पक्ष लिया। इसके बाद एफडब्ल्यूएस इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की।

फैसला

एफडब्ल्यूएस की को-डायरेक्टर सुजैन स्मिथ ने कहा कि यह वास्तव में बहुत लंबी यात्रा रही है। हम इस फैसले के लिए बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा- आज, कोर्ट ने वही कहा है जो हम हमेशा से मानते आए हैं। महिलाएं अब सुरक्षित महसूस कर सकती हैं कि महिलाओं के लिए तय की सर्विसेज और जगह महिलाओं के लिए ही हैं।

ट्रांस कार्यकर्ता बोलीं- यह फैसला अपमानजनक

ट्रांस ब्राडकास्टर और कार्यकर्ता इंडिया विलोबी का कहना है कि आज सुबह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उनका दिल टूट गया है। उन्होंने एक लेख में कहा- समानता अधिनियम के तहत एक महिला के तौर पर मेरे अधिकारों को छीन लिया गया है। इंडिया विलोबी ने कहा कि मुझे और मेरे जैसे अन्य लोगों को यह बताना कि हम महिला नहीं हैं, ऐतिहासिक अन्याय है और आज ट्रांस-विरोधी आवाजों का जश्न मनाना मेरे लिए यह साबित करता है कि मैं सुरक्षित नहीं हूं। यह फैसला अपमानजनक है। मैं हमेशा एक महिला रही हूं और मैं हमेशा एक महिला ही रहूंगी। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग ने मामले को लेकर FWS का सपोर्ट किया था। उन्होंने X पर पोस्ट लिखकर इस मामले में शामिल सभी महिलाओं की तारीफ की।

दिल्ली के शाहीन बाग में आग लगी, 3-4 गाड़ियां जलकर खाक

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में गुरुवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, आग की चपेट में आने से बिल्डिंग के पास पार्किंग में खड़ी 3 से 4 गाड़ियां जल गईं। पुलिस के मुताबिक, आग लगने की सूचना सुबह 4 बजे दी गई। इसके बाद दमकल अधिकारियों को सूचना दी गई। अग्निशमन विभाग के अनुसार, गुरुवार तड़के दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में एक रिहायशी इमारत में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आठ दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया।

सस्ता कर्ज देकर रूसी हथियारों का बाजार हथिया रहा भारत

एजेंसी ● वॉशिंगटन

भारत हथियार खरीदने वाले देशों को सस्ते और लंबे समय तक के कर्ज देने की पेशकश कर रहा है। टारगेट वे देश हैं, जो अब तक रूस से हथियार खरीदते रहे हैं। रूस के यूक्रेन जंग में फंसे होने की वजह से ये देश अब नए विकल्प तलाश रहे हैं। भारत इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। यह दावा रॉयटर्स की रिपोर्ट में भी किया गया है। भारत, यूक्रेन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश है। हालांकि पिछले कुछ सालों में सरकार हथियारों के निर्यात पर भी जोर दे रही है। इसके लिए भारत एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक (ईएक्सआईएम बैंक) के माध्यम से हथियार खरीदने के लिए कर्ज मुहैया करा रहा है। रॉयटर्स ने दो सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि सरकार ईएक्सआईएम बैंक की मदद से हथियार खरीदने वाले देशों को कम ब्याज दरों पर और लंबे समय के लिए लोन देने के प्लान पर काम कर रही है। इसका फायदा उन देशों को मिलेगा जो राजनीतिक अस्थिरता या कम क्रेडिट रेटिंग की वजह से महंगे कर्ज नहीं उठा पाते। भारत ने इसके लिए ब्राजील-अर्जेंटीना समेत 20 देशों में अपने डिप्लोमैट भेजे हैं।

अमेरिका ने रद्द किया एफ-1 वीजा तो

भारतीय छात्र ने ट्रम्प प्रशासन को अदालत में घसीटा

एजेंसी ● वॉशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के मिशिगन के सरकारी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एक भारतीय समेत चार एशियाई छात्रों ने अपने छात्र आव्रजन दर्जे को गलत तरीके से समाप्त किए जाने के बाद अमेरिका से संभावित निर्वासन के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। भारत के चिन्मय देवरे, चीन के जियांगयुन बु और कियुई यांग और नेपाल के योगेश जोशी ने 'डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी' (डीएचएस) और आव्रजन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।चारों छात्रों ने मुकदमा दायर करके आरोप लगाया है कि 'छात्र एवं विनिमय आगंतुक सूचना प्रणाली' (एसईवीआईएस) में उनके छात्र आव्रजन दर्जे को 'पर्याप्त नोटिस और स्पष्टीकरण के बिना' अवैध रूप से समाप्त कर दिया गया। एसईवीआईएस एक ऐसा आंकड़ा है जो अमेरिका में गैर-प्रवासी छात्रों और शैक्षणिक विनिमय के तहत आने वाले छात्रों (विनिमय आगंतुक) के बारे में जानकारी एकत्र करता है।बिना कारण रद्द किया गया एफ-1 छात्र वीजाछात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे मिशिगन के 'अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन' ने कहा है कि उन्होंने उन छात्रों की ओर से एक संघीय मुकदमा दायर करके एक आपतकालीन निषेधाज्ञा जारी करने का अनुरोध किया है, जिनकी F-1 छात्र आव्रजन स्थिति को ट्रंप प्रशासन द्वारा बिना किसी वैध कारण और बिना किसी नोटिस के अवैध रूप से और अचानक समाप्त कर दिया गया है।एसीएलयू ने कहा कि मुकदमे में अदालत से इन छात्रों की स्थिति को बहाल करने के लिए कहा गया है ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और हिरासत और निर्वासन के जोखिम का सामना करने से बच सकें।

न अपराध किया, न दोषी ठहराया गया, फिर क्यों ऐक्शन?

अदालत में की गई शिकायत में कहा गया है, "उनमें से किसी पर भी अमेरिका में किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है, न ही उन्हें दोषी ठहराया गया है। किसी ने भी किसी आव्रजन कानून का उल्लंघन नहीं किया है। न ही वे किसी राजनीतिक मुद्दे को लेकर परिसर में विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय रहे हैं।"इस शिकायत में डीएचएस सचिव क्रिस्टी नोएम, कार्यकारी आईसीई निदेशक टॉड लियोन्स और आईसीई डेट्रॉयट फील्ड ऑफिस निदेशक रॉबर्ट लिंच का नाम शामिल है। इसी प्रकार के मुकदमे न्यू हैम्पशायर, इंडियाना और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों समेत देशभर में दायर किये गए हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही इसी तरह के एक मामले में अमेरिकी जज ने ट्रंप प्रशासन को 21 वर्षीय भारतीय स्नातक कृष लाल इस्सरदासानी को निर्वासित करने से अस्थायी रुप से रोक दिया था, जिसका छात्र वीजा रद्द कर दिया गया था। कृष मई में स्नातक होने वाले हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)